गोवायार्ड दर्शन

अक्तूबर 2025 - मार्च 2026



राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

शिपयार्डों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादक शिपयार्ड

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2024-25 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम श्रेणी के 'ग' क्षेत्र के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (तृतीय पुरस्कार) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार दिनांक 14 सितंबर 2025 को हिंदी दिवस के अवसर पर गांधीनगर (गुजरात) में आयोजित 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान श्री अर्जुन राम मेघवाल, माननीय केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री और श्री दिनेश शर्मा, माननीय सांसद, राज्यसभा के करकमलों द्वारा श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोशिलि को प्रदान किया गया। गोवा शिपयार्ड की ओर से श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) और श्री अमित कुमार, अप्रनि के कार्यपालक सहायक ने दिनांक 14 एवं 15 सितंबर 2025 को आयोजित 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में सहभागिता की।

दक्षिण गोवा, नराकास द्वारा पुरस्कार

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2024-25 के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण गोवा के अधीन केन्द्र सरकार के उपक्रम वर्ग के अंतर्गत उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु प्रथम स्थान पर राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया। दिनांक 25 सितंबर 2025 को डॉ. एन. विनोद कुमार, आईपीओएस, अध्यक्ष, एमपीए और अध्यक्ष, नराकास, दक्षिण गोवा द्वारा राजभाषा रोलिंग शील्ड और प्रमाण पत्र श्री एस. एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन) को दक्षिण गोवा, नराकास की बैठक के दौरान प्रदान किया गया।



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन



प्रिय साथियों,

मुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को शेड्यूल 'ए' सीपीएसई का दर्जा प्राप्त हो गया है। यह गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। हमारी यह उपलब्धि वर्षों के निरंतर प्रयास, दृढ़ता और सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम है और यह इस बात का सशक्त प्रमाण है कि जब हम एक टीम के रूप में एक साथ आगे बढ़ते हैं तो हम बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। गोवा शिपयार्ड के इतिहास में यह हमारे लिए एक निर्णायक क्षण है और साथ ही हमारी अनवरत यात्रा में यह एक मील का पत्थर है।

प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए हमारी निरंतर यात्रा न केवल संगठनात्मक विकास को दर्शाती है, बल्कि उस भावना, समर्पण और उत्कृष्टता को भी प्रदर्शित करती है जो हमारी पहचान है। आज हम एक संगठन के रूप में और भी मजबूत स्थिति में हैं और आप सभी ने इस ऐतिहासिक क्षण को संभव बनाने में योगदान दिया है। शेड्यूल 'ए' का दर्जा प्राप्त करना टीम गोशिलि द्वारा प्रत्येक स्तर पर प्रदर्शित कार्यकुशलता, अनुशासन और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह हमारे पिछले प्रदर्शन की केवल मान्यता नहीं है बल्कि यह लक्ष्य को ऊंचा रखने, बेहतर प्रदर्शन करने और गोशिलि के निर्माण में अपनी भूमिका को और मजबूत करने का आह्वान है, जो आगामी वर्षों में और भी बड़ी सफलताओं के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

गोशिलि एक सरकारी उपक्रम है, अत: हमारा दायित्व है कि हम सभी कार्य क्षेत्रों को समान महत्त्व दें। राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों में हम सबका सहयोग बेहद जरुरी है। राजभाषा कार्यान्वयन की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि हम राजभाषा से संबंधित सरकारी नीतियों के प्रति अपना दायित्व निभाते हुए हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति केवल नियमों का अनुपालन मात्र नहीं है बल्कि यह हमारे लिए गौरव और प्रतिष्ठा का विषय है। अत: राजभाषा की प्रगति हेतु अपना अभीष्ट योगदान देते हुए हम स्वयं हिंदी में कार्य करने का प्रयास करें।

बड़े हर्ष का विषय है कि हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का 25वां अंक प्रकाशित किया जा रहा है। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी रचनाओं के लिए बधाई देता हूँ। राजभाषा अनुभाग की पूरी टीम को 'गोवायार्ड दर्शन' के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दो शब्द...



हमारे लिए यह गौरव की बात है कि गोशिलि में अलग-अलग प्रांतों से आये लोग मिलजुल कर कार्य करते हैं और हिंदी भाषा उन्हें आपस में बांधे रखने का काम कर रही है। हमारा प्रयास है कि राजभाषा हिंदी का एक ऐसा वातावरण तैयार किया जाए, जिससे हम अपना कोई भी कार्य हिंदी में आसानी से कर सकें। गोवा शिपयार्ड ने विभिन्न प्रयासों द्वारा इस दिशा में निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए राजभाषा हिंदी की प्रगति हेतु अनेक कदम उठाए हैं। गोवा शिपयार्ड में राजभाषा कार्यान्वयन को बढावा देने के लिए हिंदी पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाते हैं तथा प्रशिक्षण द्वारा सभी कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित किया जाता है।

राजभाषा हिंदी हमारे लिए संवाद और सूचना का सरल और सहज माध्यम है। हमारी गृह पत्रिका गोवायार्ड दर्शन के माध्यम से गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की स्थिति के साथ-साथ यार्ड के क्रियाकलापों की झलक विभिन्न विषयों पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारी उपलब्ध करायी जा रही है। हिंदी पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य यार्ड की विभिन्न गतिविधियों को आप तक पहुंचाना एवं कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को उजागर कर हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। अतः आप सभी से मेरा अनुरोध है कि सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करें दूसरों को प्रेरित करें।

'गोवायार्ड दर्शन' हिंदी पत्रिका के 25वें अंक के माध्यम से हमारे प्रयासों की एक झलक आप लोगों के समक्ष पहुंचाने की कोशिश है। हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

शशिकांत शिवाजी कांबले
विभाग प्रमुख (मा सं एवं प्रशा)

संपादकीय



भारत की सभ्यता एवं संस्कृति को समझने के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक है। हालांकि, हमारे देश में अनेक उन्नत एवं समृद्ध भाषाएं हैं और ये सभी भाषाएं भौगोलिक और सामाजिक भिन्नताओं से उपजी सांस्कृतिक उपधाराओं के फलस्वरुप अपने अपने क्षेत्रों में विकसित होकर पल्लवित और पुष्पित हुई है, किंतु हिंदी भाषा का क्षेत्र व्यापक है और यह एक विशाल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती है। हिंदी एक जीवंत भाषा है, जो सरल और सहज होने के साथ अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है और यह विशेषता हिंदी भाषा को विश्व की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण स्थान दिलाती है।

राजभाषा हिंदी हमारे देश की पहचान है। हिंदी का प्रचार करना राष्ट्रीयता का प्रचार करना है। तेजी से बदलते इस विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में हिंदी केवल हिंदी भाषियों की ही भाषा नहीं रही, अब वह भारतीय जनमानस के हृदय की वाणी बन गई है। अत: हिंदी के प्रति हमारा व्यवहार स्नेह एवं सम्मान की भावना से परिपूर्ण होना चाहिए। राजभाषा नियमों में भी बोलचाल की सरल हिंदी अपनाने की बात कही गई है। राजभाषा जितनी सरल सहज एवं प्रयोजनमूलक होगी उतनी ही उसकी उपयोगिता बढ़ेगी। हमें सरकारी कामकाज की भाषा को सरल सुबोध और स्वाभाविक बनाना होगा।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड सदैव राजभाषा हिंदी की प्रगति के प्रति समर्पित रहा है। 'गोवायार्ड दर्शन' का वर्ष में दो बार प्रकाशन राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में हमारा सार्थक प्रयास है। हमारी गृह-पत्रिका गोवा शिपयार्ड के विविध क्रियाकलापों के विभिन्न आयामों को दर्शाती है और साथ ही हमारे कार्मिकों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करती है। गोवा शिपयार्ड ने राजभाषा के प्रति सम्मान एवं कर्तव्यनिष्ठा की भावना का परिचय देते हुए एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

आपके समक्ष 'गोवायार्ड दर्शन' का 25वां अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। आपकी प्रतिक्रिया एवं बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

शुभकामनाओं के साथ ...

राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1.	श्री बृजेश कुमार उपाध्याय	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष
2.	रियर एडमिरल नेल्सन ए. जे. डि'सूजा	निदेशक (प्रचालन)	सदस्य
3.	श्री जहाँगीर आलम अंसारी	निदेशक (वित्त)	सदस्य
4.	श्री नागेश दास पई	निदेशक (नियोप एवं व्यावि)	सदस्य
5.	कमोडोर (निवृत्त) शिरीष दुबे	मुख्य महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	सदस्य
6.	कमोडोर (निवृत्त) योगेश कुमार शर्मा	मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन)	सदस्य
7.	श्री पी. रविन्द्रन	मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य)	सदस्य
8.	श्री शाजेन कुरियन	मुख्य महाप्रबंधक (व्यावि एवं परियोजना)	सदस्य
9.	कमोडोर (निवृत्त) ए. वासुदेवन	महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं)	सदस्य
10.	श्री एम. सुब्रमण्यम	महाप्रबंधक (वाणिज्य)	सदस्य
11.	श्री देवानंद एस. पाटेकर	महाप्रबंधक (उत्पादन – तटरक्षक परियोजना)	सदस्य
12.	श्री वी. के. देशपांडे	महाप्रबंधक (साइंसे एवं जम)	सदस्य
13.	श्री आनंद मुर्शिली	महाप्रबंधक (निगमित वित्त)	सदस्य
14.	कमांडर (निवृत्त) सौरभ जैन	महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	सदस्य
15.	श्री आर. एन. माजालिकर	महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	सदस्य
16.	श्री विवेक के. सैल	महाप्रबंधक (बाह्यस्रोत)	सदस्य
17.	श्री शशिकांत शिवाजी कांबले	विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन)	सदस्य
18.	श्री किशोर सामंत	अपर महाप्रबंधक (विधि)	सदस्य
19.	श्रीमती छाया जैन	अपर महाप्रबंधक (कंपनी सचिव)	सदस्य
20.	श्री प्रकाश लक्ष्मण गावडे	विभाग प्रमुख (शिआप)	सदस्य
21.	डॉ. वेदपाल तारी	अपर महाप्रबंधक (चिकित्सा)	सदस्य
22.	कैप्टन आदित्य मन्हास (निवृत्त)	उपमहाप्रबंधक (प्रशासन)	सदस्य
23.	श्री सनोज कुमार पांडेय	उपमहाप्रबंधक (आंतरिक लेखा)	सदस्य
24.	श्री एलेन सेबस्टियन	उप कमांडेंट (केऔसुब)	सदस्य
25.	लेफ़्टि कमां(निवृत्त) एस.जायसवाल	अप्रनि के तकनीकी सहायक	सदस्य
26.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)	सदस्य सचिव

इस अंक में ...

	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन	01
	दो शब्द	02
	संपादकीय	03
	राजभाषा कार्यान्वयन समिति सदस्य	04
	अनुक्रमणिका	05
शुभागमन		
	श्री जहाँगीर आलम अंसारी, निदेशक (वित्त) / श्री नागेश दास पई, निदेशक (नियोप एवं व्यावि)	06
	गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की ऐतिहासिक उपलब्धि	07
सम्मान एवं पुरस्कार		
	'गोल्डन पीकॉक एचआर एक्सीलेंस अवार्ड-2025	08
	बेस्ट रिसोर्स पर्सन अवॉर्ड -2025 से सम्मानित	08
	गोशिलि चार गौरवशाली अवार्ड से सम्मानित	09
शिपयार्ड की गतिविधियां		
	'आईसीजीएस अक्षर' जहाज भारतीय तटरक्षक बल को सुपुर्द	10
	'आईसीजीएस अमूल्य' जहाज भारतीय तटरक्षक बल को सुपुर्द	11
	पहले स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' की सुपुर्दगी एवं प्रवर्तीकरण	12-13
	तेज गश्ती पोत आईसीजीएस 'अमूल्य' का प्रवर्तीकरण	14
	भारतीय तटरक्षक बल के तेज गश्ती पोत 'अटल' का जलावतरण	15
	भारतीय तटरक्षक बल के लिए निर्मित पांचवे तेज गश्ती पोत 'अचल' का जलावतरण	16
	संदर्शन	17
शिपयार्ड में हिंदी के बढ़ते कदम		
	हिंदी पखवाड़ा 2025 – गोशिलि राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित	18-25
	राकास की बैठक / नराकास की बैठक / हिंदी गृह पत्रिका का विमोचन	26
	प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यशाला	27
उत्सवों से सराबोर शिपयार्ड		
	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025	28 - 30
	कौमी एकता सप्ताह	31
	गांधी जयंती पर "स्पेशल कैंपेन 5.0" के तहत स्वच्छ भारत अभियान	32
	विशेष अभियान 5.0 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं	33
	गणतंत्र दिवस 2026	34 - 35
	महापरिनिर्वाण दिवस / नमन कार रैली की मेजबानी	36
	गोशिलि में इनडोर गेम्स का आयोजन	37-39
आलेख		
	गोवा शिपयार्ड में मेरा अविस्मरणीय अनुभव	40 - 41
	मुन्नार यात्रा	42-45
	गुरु	45
काव्यांजलि		
	अनजान शहर	46
	माँ / मेरा पेड़, मेरी शक्ति, मेरा परिवार	47
	अभी सूरज डूबा नहीं / जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है	48

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मार्गदर्शक

श्री नागेश दास पई
निदेशक (नियोप एवं व्यावि)

श्री शशिकांत शिवाजी कांबले
विभाग प्रमुख
(मानव संसाधन एवं प्रशासन)

संपादक

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

सहयोग

हिंदी अनुभाग

विशेष सहयोग

जनसंपर्क अनुभाग

(इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचारों से गोशिलि का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह रचनाकारों के अपने विचार हैं।)

पत्रिका डिज़ाइन एवं मुद्रित
फोकस कम्युनिकेशन्स
104 सज्जद यसिन चेम्बर्स, 30-एफ, बोमंजी लेन,
फोर्ट, मुंबई- 400001
ईमेल: info@focuscommunications.co.in

श्री जहाँगीर आलम अंसारी, निदेशक (वित्त)



श्री जहाँगीर आलम अंसारी ने 29 नवंबर 2025 से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाल लिया है, जिससे संगठन के वित्तीय प्रशासन और रणनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को निरंतर मज़बूत करने हेतु नेतृत्व प्रदान करने वाली टीम में एक महत्वपूर्ण पद और जुड़ गया है। श्री अंसारी इस महत्वपूर्ण भूमिका में, रक्षा जहाज निर्माण में उत्कृष्टता प्रदान करने के गोशिलि के मिशन का सहयोग करने के लिए वित्तीय नियोजन, जोखिम प्रबंधन, बजट और समग्र वित्तीय प्रबंधन का संचालन करेंगे।

श्री अंसारी एक निपुण चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उन्हें तेल एवं गैस उद्योग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। गोशिलि में ज्वाईन करने से पहले उन्होंने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) में 28 वर्षों तक विभिन्न नेतृत्व प्रदान करने वाले पदों पर कार्य किया है और उन्हें वित्त के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुभव है, जिसमें प्रबंधन लेखा, मूल्य निर्धारण, कोषागार, आयात एवं निर्यात, लाभप्रदता, बजट, कराधान और वित्तीय जोखिम प्रबंधन जैसे व्यापक कार्य शामिल हैं।

श्री अंसारी का वित्त, मूल्य निर्धारण और संगठनात्मक नियंत्रण में व्यापक अनुभव के साथ, वित्तीय अनुशासन को आगे बढ़ाने, पारदर्शिता बढ़ाने और सतत विकास को सक्षम बनाने का एक मज़बूत रिकॉर्ड है। उनकी रणनीतिक अंतर्दृष्टि, विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता और मज़बूत वित्तीय प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता, उन्हें गोशिलि की प्रगति में मूल्यवान योगदान देने वाले के रूप में सम्मानित स्थान प्रदान करती है।

श्री नागेश दास पई, निदेशक (नियोप एवं व्यावि)



गोशिलि को यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि श्री नागेश दास पई ने दिनांक 25 मार्च 2026 को निदेशक (निगामित योजना, परियोजना एवं व्यापार विकास) का पदभार संभाल लिया है।

श्री नागेश दास पई को जहाज निर्माण के क्षेत्र में 27 वर्षों से अधिक का समृद्ध और विविध अनुभव रखते हैं। उन्होंने 15 जनवरी 1998 को गोशिलि में एक स्नातक इंजीनियर प्रशिक्षणार्थी के रूप में ज्वाईन किया था। बोर्ड स्तर में उनकी पदोन्नति उनके विशिष्ट कैरियर को दर्शाती है, जिसकी पहचान उनकी गहरी संगठनात्मक समझ, निरंतर प्रदर्शन और उत्कृष्टता के एक सुसंगत ट्रैक रिकॉर्ड से होती है।

महाप्रबंधक (उत्पादन - नौसेना परियोजनाएं) के रूप में श्री पई महत्वपूर्ण नौसेना जहाज निर्माण कार्यक्रमों का नेतृत्व करने, समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने, कड़े गुणवत्ता मानकों का पालन करने और विभिन्न हितधारकों के बीच निर्बाध समन्वय बनाए रखने का उत्तरदायित्व था। उनके नेतृत्व ने जटिल रक्षा परियोजनाओं में गोशिलि की उत्पादन क्षमताओं और निष्पादन दक्षता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रबंधन और संचालन में उच्च शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले एक योग्य इंजीनियरिंग प्रोफेशनल, श्री पई तकनीकी विशेषज्ञता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि और मजबूत निष्पादन क्षमताओं का एक दुर्लभ संगम हैं। उनकी प्रोफेशनल यात्रा उनकी प्रतिबद्धता, नेतृत्व क्षमता और संगठन के विकास में उनके योगदान का एक जीता-जागता प्रमाण है।

इस अवसर पर, गोशिलि प्रबंधन को विश्वास है कि श्री नागेश दास पई के नेतृत्व में, कंपनी कॉर्पोरेट नियोजन, परियोजना निष्पादन और व्यापार विकास के क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को और सुदृढ़ करेगी; साथ ही, रक्षा जहाज निर्माण के लगातार बदलते परिदृश्य में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति को भी बेहतर बनाएगी।

उनकी नियुक्ति से गोशिलि की रणनीतिक पहलों को नई गति मिलने, नवाचार को बढ़ावा मिलने और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय, दोनों ही बाजारों में कंपनी की उपस्थिति का विस्तार होने की उम्मीद है—जो रक्षा निर्माण के क्षेत्र में भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के पूर्णतः अनुरूप है।

'शेड्यूल ए' कंपनी गोशिलि के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि

भारत सरकार ने गोशिलि को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) की 'शेड्यूल बी' श्रेणी से 'शेड्यूल ए' श्रेणी में उन्नत करने की स्वीकृति दे दी है। यह उन्नयन भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के लोक उद्यम विभाग द्वारा 25 फरवरी 2026 को प्रदान किया गया है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि गोशिलि की निरंतर प्रगति और संस्थागत विकास की यात्रा में एक निर्णायक पहलू है, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को 'शेड्यूल ए' का दर्जा प्राप्त हुआ है। यह गोशिलि टीम के लिए अत्यंत गर्व और संतोष का क्षण है और संपूर्ण गोशिलि समुदाय इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए एकजुट है।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि गोशिलि के सुदृढ़ वित्तीय प्रदर्शन, परिचालन उत्कृष्टता, निरंतर विकास पथ और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं समुद्री क्षमता विकास को सुदृढ़ करने में इसके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है। यह उन्नयन गोशिलि के प्रदर्शन में सरकार के विश्वास की पुष्टि करता है और देश के रक्षा पोत निर्माण तंत्र में इसके रणनीतिक महत्व को मान्यता देता है। यह उन्नयन न केवल हमारी पिछली उपलब्धियों को स्वीकृति प्रदान करता है, बल्कि भारत के जहाज निर्माण विकास और समुद्री आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में गोशिलि की अपार क्षमता को भी रेखांकित करता है।

'शेड्यूल ए' का दर्जा मिलने से गोशिलि अपनी संगठनात्मक क्षमता को और अधिक बढ़ा सकेगी एवं अपने बढ़ते तथा लगातार जटिल होते जा रहे व्यावसायिक कार्यों की बेहतर देखरेख और प्रबंधन कर सकेगी। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा विनिर्माण में स्वावलंबन के विज़न का समर्थन करने के लिए पूर्णरूपेण प्रतिबद्ध है, साथ ही भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र देशों को विश्व स्तरीय समुद्री प्लेटफॉर्म और समाधान प्रदान करना जारी रखेगी। गोशिलि, रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग, वित्त मंत्रालय और सार्वजनिक उद्यम विभाग के निरंतर मार्गदर्शन और अटल समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने गोशिलि के विकास को दिशा देने और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गोशिलि उनके निरंतर विश्वास और प्रोत्साहन के लिए हार्दिक आभारी है।



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड 'गोल्डन पीकॉक एचआर एक्सीलेंस अवार्ड-2025' से सम्मानित



दिनांक 19-20 फरवरी, 2026 को मुंबई में आयोजित 20वें अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सम्मेलन में इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स (आईओडी), इंडिया द्वारा दिए जाने वाले प्रतिष्ठित 'गोल्डन पीकॉक एचआर एक्सीलेंस अवार्ड-2025' माननीय न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी, उपाध्यक्ष, इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स (आईओडी), न्यायिक सदस्य, लोकपाल ऑफ इंडिया, पूर्व अध्यक्ष, विधि आयोग ऑफ इंडिया द्वारा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के श्री जहांगीर आलम अंसारी, निदेशक (वित्त) एवं श्रीमती प्रिया भगत, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) को प्रदान किया गया।

पुरस्कार निर्णायक मंडल का गठन भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति उदय यू. ललित की अध्यक्षता में किया गया था। गोशिलि ने मानव संसाधन प्रक्रियाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण पहल की है और नए मानक स्थापित किए हैं। गोशिलि ने मानव संसाधन उत्कृष्टता के उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए वैधानिक श्रम और रोजगार अनुपालन आवश्यकताओं से कहीं आगे बढ़कर कार्य किया है। राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक सम्मान प्रगतिशील मानव संसाधन कार्यप्रणालियों, कर्मचारी सशक्तिकरण और संगठनात्मक उत्कृष्टता के प्रति गोशिलि की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

बेस्ट रिसोर्स पर्सन अवॉर्ड -2025 से सम्मानित

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड डॉ. विश्वराज म्हालशेकर, वरिष्ठ प्रबंधक (चिकित्सा एवं एसएचई) को भारतीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संघ (आईएओएच) द्वारा "बेस्ट रिसोर्स पर्सन अवॉर्ड -2025" से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई देता है। यह पुरस्कार भारत में व्यावसायिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान को मान्यता देते हुए आईएओएच के 76वें राष्ट्रीय सम्मेलन, ओसीसीयूकॉन 2026 में प्रदान किया गया, जो 7 जनवरी 2026 को पद्म बैंक्वेट एंड लॉन्स, जामनगर में आयोजित किया गया था। उनकी उपलब्धि व्यावसायिक क्षेत्र के प्रति स्वास्थ्य और कार्यस्थल सुरक्षा गोशिलि की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।



गोशिलि चार गौरवशाली अवार्ड से सम्मानित

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को इंडियन चैंबर ऑफ़ कॉमर्स (आईसीसी) के 15वें पीएसई कॉन्क्लेव और अवार्ड्स में चार बड़े अवार्ड प्राप्त हुए।

» **ऑपरेशनल परफॉर्मेंस एक्सीलेंस**

» **इन्क्लूसिविटी – पीएसई में महिलाओं और दिव्यांगों का योगदान**

» **कॉर्पोरेट गवर्नेंस**

» **कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी**





गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से ये अवार्ड श्री शशिकांत एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री अशोक के. साहू, वरिष्ठ प्रबंधक (कंपनी सचिवालय) और श्री अंशुमान खिंद्रिया, प्रभारी अधिकारी (दिल्ली कार्यालय) ने ग्रहण किए। ये सम्मान ऑपरेशनल एक्सीलेंस, इन्क्लूसिव ग्रोथ और सोशल कमिटमेंट के साथ मजबूत गवर्नेंस के प्रति हमारे प्रतिबद्धता (कमिटमेंट) दर्शाते हैं, क्योंकि हम निरंतर भारत की समुद्री क्षमताओं को मजबूत कर रहे हैं।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को मुंबई में स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पब्लिक एंटरप्राइजेज के अंतर्गत हुए फोरम ऑफ़ वीमेन इन पब्लिक सेक्टर के 36वें नेशनल मीट में बेस्ट एंटरप्राइज रिकोग्निशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम की थीम-"हर एरा, नाउ एंड बियॉन्ड" थी, जिसमें पीएसयू में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया और भविष्य की महिला वर्कफोर्स को बढ़ावा देने और उनके सशक्तिकरण बनाने के महत्व पर ज़ोर दिया गया।





गोशिलि ने 'आईसीजीएस अक्षर' जहाज भारतीय तटरक्षक बल को सुपुर्द किया

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने दिनांक 18 सितंबर 2025 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत बनाई गई 8 अत्याधुनिक तेज गश्ती पोत (फास्ट पेट्रोल वेसल्स) के श्रृंखला की दूसरी जहाज़ आईसीजीएस अक्षर को भारतीय तटरक्षक बल को सौंपा। 'भारतीय तटरक्षक पोत अक्षर' 27 नॉट्स से अधिक की रफ्तार से 1500 नॉटिकल मील तक बिना रुके यात्रा कर सकता है। यह तस्करी रोकथाम और खोज-बचाव कार्यों में अहम भूमिका निभाएगा। इससे समुद्री सुरक्षा को नई ताकत मिलेगी। यह जहाज़ 51.43 मीटर लंबा और 8 मीटर चौड़ा है, जिसका वजन करीब 330 टन है। इसमें दो मरीन डीजल इंजन लगे हैं जो कंट्रोलेबल पिच प्रोपेलर (सीपीपी) से जुड़े हैं। यह तकनीक इस श्रेणी में पहली बार इस्तेमाल की गई है, जिससे जहाज़ की स्पीड और संचालन क्षमता काफी बढ़ जाती है।

आईसीजीएस अक्षर में 6 अधिकारी और 35 नाविक तैनात रहेंगे। यह मत्स्य संरक्षण, एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन की निगरानी, तटीय गश्त, तस्करी रोकने, समुद्री डकैती से निपटने और खोज एवं बचाव अभियानों में अहम भूमिका निभाएगा। इस समारोह में श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रियर एडमिरल नेल्सन डिसूज़ा, मानौ (निवृत्त), निदेशक (प्रचालन), डीआईजी वी. के. परमार, पीडी (एमएटी) और कमांडेंट (जेजी) शुभेंदु चक्रवर्ती, कमांडिंग ऑफिसर, भारतीय तटरक्षक पोत अक्षर सहित भारतीय तटरक्षक बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। भारतीय तटरक्षक पोत अक्षर का सौंपना न सिर्फ समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि भी है।

जैसे-जैसे भारत दुनिया में एक बड़े जहाज़ निर्माण केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है, वैसे-वैसे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड भी आत्मनिर्भर भारत में अहम योगदान दे रहा है। गोशिलि लगातार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है, नई तकनीक और इनोवेशन पर काम कर रहा है और साथ ही देश की ब्लू इकोनॉमी यानी समुद्र से जुड़ी अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है।



गोशिलि ने 'आईसीजीएस अमूल्य' जहाज भारतीय तटरक्षक बल को सुपुर्द किया

भारत की तटीय सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) द्वारा भारतीय तटरक्षक दिनांक 30 नवंबर 2025 को भारतीय तटरक्षक पोत 'अमूल्य' सुपुर्द किया गया। यह भारतीय तटरक्षक बल के लिए बनाए जा रहे आठ अत्याधुनिक तेज गश्ती पोत (एफपीवी) की सीरीज़ का तीसरा पोत है। इस समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय और भारतीय तटरक्षक पोत 'अमूल्य' के कमांडिंग ऑफिसर कमांडेंट अनुपम सिंह उपस्थित थे। 51.43 मीटर लंबा और 8 मीटर चौड़ा, 2.5 मीटर के ड्राफ्ट पर 330 टन के डिस्प्लेसमेंट के साथ, यह पोत दो मरीन डीज़ल इंजन से चलता है जो कंट्रोलेबल पिच प्रोपेलर (सीपीपी) चलाते हैं — यह एफपीवी की इस क्लास में पहला वेसल है, जो बेहतर प्रोपल्शन एफिशिएंसी सुनिश्चित करता है। 27 नॉट से ज़्यादा की टॉप स्पीड और 1,500 नॉटिकल मील की शानदार एंड्योरेंस के साथ, यह जहाज़ बेहतर ऑपरेशनल तैयारी और सस्टेनेबिलिटी के लिए एक एडवांस्ड इंटीग्रेटेड मशीनरी कंट्रोल सिस्टम से लैस है। इस जहाज़ को छह अधिकारी और 35 नाविक चलाएंगे।

भारतीय तटरक्षक बल ने कहा कि मछली पालन की सुरक्षा, एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन (ईईजेड) सर्विलांस, कोस्टल पेट्रोलिंग, एंटी-स्मगलिंग, एंटी-पायरेसी और समुद्री सीमा पर सर्च और रेस्क्यू मिशन के लिए बनाया गया भारतीय तटरक्षक पोत अमूल्य एक फोर्स मल्टीप्लायर, है जो भारत के तटीय और ऑफशोर सिक्योरिटी सिस्टम को काफी मजबूत करेगा। श्री उपाध्याय ने कहा, "भारतीय तटरक्षक पोत अमूल्य को सौंपना न केवल देश की समुद्री सुरक्षा और स्ट्रेटेजिक हितों के लिए गोशिलि की मजबूत प्रतिबद्धता को दिखाता है, बल्कि मेक इन इंडिया फ्रेमवर्क के तहत वर्ल्ड-क्लास और हाई-परफॉर्मेंस प्लेटफॉर्म देने की इसकी विरासत को भी मजबूत करता है।" उन्होंने कहा कि गोशिलि डिफेंस इंडिजिनाइजेशन, टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट और भारत की ब्लू इकॉनमी फुटप्रिंट के विस्तार को आगे बढ़ाता रहेगा।



पहले स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' की सुपुर्दगी एवं प्रवर्तीकरण



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) ने दिनांक 23 दिसंबर 2025 को भारतीय तटरक्षक बल को देश में डिज़ाइन किया गया एक प्रदूषण कंट्रोल जहाज़ 'समुद्र प्रताप' सुपुर्द किया। यह समुद्र में तेल रिसाव से निपटने के ऑपरेशन के लिए गोशिलि द्वारा बनाए गए दो हाइब्रिड जहाजों में से पहला है। 114.5 मीटर लंबा यह जहाज़, जिसका डिस्प्लेसमेंट 4,170 टन है, 16.5 मीटर चौड़ा है और भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े का सबसे बड़ा जहाज़ है। गोवा शिपयार्ड ने यह सुनिश्चित किया कि 75% कच्चा माल, मशीनरी और इक्विपमेंट देश में ही बना हों। गोशिलि ने कहा कि जहाज़ बनाने से स्किल डेवलपमेंट, रोज़गार पैदा करने और एमएसएमई में भागीदारी में मदद मिली। समुद्र प्रताप की डिलीवरी पिछले छह महीनों में गोशिलि का चौथा जहाज़ हैंडओवर है, जो सेना को समय पर युद्धपोत देने के उसके ट्रैक रिकॉर्ड को और मज़बूत करता है।

रक्षा मंत्री ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं निर्मित भारतीय तटरक्षक बल के दो प्रदूषण नियंत्रण पोतों में से पहले पोत 'समुद्र प्रताप' का 5 जनवरी 2026 को प्रवर्तीकरण किया। पहले स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' की क्षमताओं का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 4,200 टन वजनी, 114.5 मीटर लंबे और 22 समुद्री मील प्रति घंटा से ज्यादा गति वाले इस पोत के प्रवर्तीकरण से हमारी ताकत बढ़ेगी और देश का आत्मविश्वास भी

बढ़ेगा। यह पोत उन्नत प्रदूषण पहचान, अग्निशमन क्षमताओं और हेलीकाप्टर सुविधाओं से लैस है। यह समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा और पहली बार इसमें दो महिला अधिकारी भी तैनात होंगी, जो लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह पोत हमारे सामूहिक संकल्प का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि समुद्री संसाधन किसी एक देश की संपत्ति नहीं हैं, बल्कि मानवता की साझा विरासत हैं। और, जब विरासत साझा होती है तो उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी साझा होती है। यही कारण है कि भारत आज विश्व मंच पर शांति, स्थिरता और पर्यावरण संबंधी जिम्मेदारी के सिद्धांतों के साथ मजबूती से खड़ा है।' यह पोत उन्नत प्रदूषण पहचान प्रणालियों, प्रदूषण से निपटने के लिए विशेष नौकाओं और आधुनिक अग्निशमन क्षमताओं से लैस है। इसमें हेलीकाप्टर हैंगर और विमानन सहायता सुविधाएं भी हैं, जो इसकी पहुंच और प्रभावशीलता को काफी बढ़ा सकती हैं।

रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इन क्षमताओं के कारण यह पोत खराब समुद्री परिस्थितियों में भी स्थिर रूप से काम कर सकेगा, जिससे वास्तविक परिचालन में बहुत लाभ मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय तटरक्षक बल जिस तरह से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है, उससे देश के शत्रुओं को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यदि वे भारत की समुद्री सीमाओं पर बुरी नजर डालने या किसी भी प्रकार का दुस्साहस करते हैं, तो उन्हें करारा और मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि वैश्विक समुद्री अनिश्चितता के वर्तमान दौर में भारत ने बार-बार यह साबित किया है कि वह न केवल अपने हितों की रक्षा करता है, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र की शांति और स्थिरता को भी सुनिश्चित करता है। रक्षा करता है, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र की शांति और स्थिरता को भी सुनिश्चित करता है। यह दृष्टिकोण भारत को एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बनाता है। समुद्र प्रताप को विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन इसकी भूमिका केवल इसी तक सीमित नहीं है। एक ही प्लेटफार्म में कई क्षमताओं को एकीकृत करने के कारण यह पोत तटीय गश्ती में प्रभावी साबित होगा और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा।

पहली बार इस पोत पर दो महिला अधिकारी होंगी। रक्षा मंत्री ने सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप समावेशी और लैंगिक



समानता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय तटरक्षक बल की सराहना करते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि आज महिला अधिकारियों को पायलट, ऑब्जर्वर, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, लॉजिस्टिक्स ऑफिसर और लॉ ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया जा रहा है, साथ ही उन्हें होवरक्राफ्ट संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और अग्रिम मोर्चे पर सक्रिय रूप से तैनात किया जा रहा है। आज महिलाएं न केवल सहायक भूमिका निभा रही हैं, बल्कि अग्रिम मोर्चे पर योद्धाओं के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रही हैं। भारतीय तटरक्षक बल के समुद्र प्रताप में नियुक्त दोनों महिला अधिकारी भावी पीढ़ियों के लिए आदर्श हैं। भारतीय तटरक्षक बल सभी के लिए अवसरों और विकास का स्रोत बना रहेगा।



तेज गश्ती पोत आईसीजीएस 'अमूल्य' का प्रवर्तीकरण

19 दिसंबर 2025 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित आठ तेज गश्ती पोतों (फास्ट पेट्रोल वेसल्स) की श्रृंखला में भारतीय तटरक्षक बल के लिए तैयार तीसरे पोत, 'आईसीजीएस अमूल्य' को गोशिलि में भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों, रियर एडमिरल नेल्सन डिसूज़ा, भानौ (निवृत्त), निदेशक (प्रचालन), गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (आईसी/एपी), सेरेमोनियल एवं



सीएओ, श्री अमिताभ प्रसाद, आईए एंड एएस, द्वारा उप महानिदेशक (एचआरडी), सीजीएचक्यू और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रवर्तीकरण किया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित 'आईसीजीएस अमूल्य', भारत सरकार के स्वदेशीकरण, आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के मजबूत प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्नत सीपीपी प्रणोदन, उच्च स्तरीय प्रणालियों और उच्च स्वदेशी सामग्री से लैस ये एफपीवी भारत की समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं, जिससे ईईजेड गश्त, तस्करी विरोधी, समुद्री डकैती विरोधी और एसएआर अभियान सक्षम होते हैं।

गोशिलि द्वारा निर्मित, 51 मीटर लंबे इस पोत में 60% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की भावना को दर्शाता है। उन्नत आयुधों और आधुनिक नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित, भारतीय तटरक्षक पोत 'अमूल्य' ओडिशा के पारादीप में तैनात रहेगा और निगरानी, एसएआर, तस्करी विरोधी और प्रदूषण नियंत्रण अभियानों को अंजाम देगा, जिससे भारत की तटीय और समुद्री सुरक्षा और मजबूत होगी। इस पोत का परिचालन स्वदेशी रक्षा विनिर्माण के माध्यम से भारत की समुद्री सुरक्षा और तटीय निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत की समुद्री शक्ति को मजबूती मिली है। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के प्रति गोशिलि की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो अत्याधुनिक रक्षा प्लेटफार्मों की सुपुर्दगी में भारत की जहाज निर्माण उत्कृष्टता और क्षमता को मजबूत करती है।



भारतीय तटरक्षक बल के तेज गश्ती पोत 'अटल' का जलावतरण



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक बल के लिए निर्मित किए जा रही अत्याधुनिक स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई तेज गश्ती पोत (फास्ट पेट्रोल वेसल्स) 'आईसीजी अटल' को गोशिलि में 29 जुलाई 2025 को अथर्ववेद के मंत्रोच्चारण के बीच तटरक्षक मुख्यालय में तैनात प्रधान आंतरिक वित्तीय सलाहकार (पीआईएफए) शिल्पा अग्रवाल द्वारा लॉन्च किया गया। इस दौरान कोस्टगार्ड के आईजी सुधीर साहनी और गोवा शिपयार्ड के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद थे। स्वदेशीकरण द्वारा भारत की समुद्री शक्ति और जहाज निर्माण में 'आत्मनिर्भरता' को मजबूत करते हुए, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक के लिए आंतरिक रूप से डिजाइन किए गए तेज गश्ती पोत 'अटल' की लंबाई 52 मीटर, चौड़ाई 8 मीटर और विस्थापन क्षमता 320 टन है।

अधिकारियों ने बताया कि ये उच्च गति वाली नौकाएं तटीय गश्त, द्वीप सुरक्षा मिशन और अपतटीय संपत्ति संरक्षण करने के लिए सुसज्जित हैं, जिससे भारत की समुद्री क्षेत्र जागरूकता और राष्ट्रीय सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह 'आईसीजी अटल' सामरिक सुरक्षा और समुद्री तटों की पेट्रोलिंग के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पोत समंदर में ड्रग्स और हथियार इत्यादि की तस्करी रोकने के लिए तस्करी विरोधी (एंटी स्मगलिंग) और समुद्री-डकैतों के खिलाफ (एंटी-पायरेसी) ऑपरेशन करने में सक्षम हैं। साथ ही इसका इस्तेमाल समुद्र में सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन में भी किया जा सकेगा। इसके अलावा, समुद्र में तेल के कुओं की सुरक्षा और मछली-पालन को भी सुरक्षा मुहैया कराएगा। इस तरह के एफपीवी का इस्तेमाल समुद्र में एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईज़ी) और समुद्री-तटों की पेट्रोलिंग के लिए किया जाएगा।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने कहा, 'आईसीजीएस अटल' का जलावतरण गोशिलि टीम के अदम्य साहस और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों के बावजूद जहाज निर्माण में स्वदेशीकरण, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय तटरक्षक बल की जरूरतों को पूरा करने के लिए जहाज को इन-हाउस डिजाइन और निर्मित किया है।

तटरक्षक मुख्यालय की प्रधान आंतरिक वित्तीय सलाहकार (पीआईएफए) रोजी अग्रवाल, मुख्य अतिथि, ने गोशिलि की मजबूत निष्पादन क्षमताओं और राष्ट्र की समुद्री सुरक्षा को आगे बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। इस कार्यक्रम में भारतीय तटरक्षक बल, भारतीय नौसेना, रक्षा मंत्रालय, रणनीतिक उद्योग भागीदारों और गोशिलि के अधिकारियों सहित वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। भारतीय तटरक्षक बल के आईजी सुधीर साहनी ने कहा, "आज सभी जहाजों का निर्माण देश में ही हो रहा है। ऐसे में रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता सही दिशा में चल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत स्वदेशी स्टेट ऑफ द आर्ट जहाज के द्वारा पूरी हो रही हैं।" इस परियोजना ने विभिन्न कारखानों और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में उत्पादन गतिविधियों में लगे स्थानीय उद्योग और एमएसएमई के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं।

भारतीय तटरक्षक बल के लिए बनी पांचवीं फास्ट पेट्रोल वेसल 'अचल' का जलावतरण

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए निर्मित आठ तेज गश्ती पोत (फास्ट पेट्रोल वेसल्स) की श्रृंखला में से पांचवीं एफपीवी 'अचल' का भव्य जलावतरण श्रीमती कविता हरबोला द्वारा दिनांक 16 जून 2025 को श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोशिलि, भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और शिपयार्ड के कई वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में किया गया। इस पर भारतीय तटरक्षक के वेस्टर्न सीबोर्ड के कमांडर और अतिरिक्त महानिदेशक अनिल कुमार हरबोला भी उपस्थित थे। यह गोवा शिपयार्ड की एक बड़ी उपलब्धि है।

'अचल' को 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और संसाधनों के साथ डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह पोत 52 मीटर लंबा, 8 मीटर चौड़ा है और इसका वजन करीब 320 टन है। यह सीपीपी आधारित आधुनिक प्रणोदन प्रणाली से युक्त है, जिससे यह 27 नॉट (लगभग 50 किमी/घंटा) की रफ्तार तक पहुँच सकता है। इस श्रेणी के जहाज की लॉन्चिंग के साथ भारतीय तटरक्षक बल और गोशिलि ने अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को बढ़ाया है, जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' पहल वास्तविक स्वरुप मिला है। स्वदेशी सामग्री के साथ डिजाइन किया गया यह जहाज तटीय निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगा। 'अचल' का निर्माण विशेष रुप से समुद्री निगरानी, गश्त, तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा और द्वीपों की निगरानी जैसे कार्यों के लिए किया गया है। यह पोत भारत की ऑफशोर परिसंपत्तियों की रक्षा में अहम भूमिका निभाएगा। 28 मार्च 2022 को 473 करोड़ रुपये की लागत के आठ तेज गश्ती पोत बनाने के अनुबंध हुए थे। इसके तहत बन रही पूरी परियोजना ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं और एमएसएमई सेक्टर को भी नई ऊर्जा दी है। शिपयार्ड से जुड़ी कई फैक्ट्रियों में उत्पादन गतिविधियों को बल मिला है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस घटनाक्रम को राज्य के लिए एक मील का पत्थर बताया। उनके अनुसार, गोशिलि के इस निर्णय से भारत की नौसेना क्षमताओं में वृद्धि होगी और साथ ही राज्य के आधुनिक समुद्री एवं रक्षा अवसंरचना के निर्माण के लक्ष्य को भी बल मिलेगा। गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि मछलीपटनम कंपनी के विकास के अगले चरण के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने संकेत दिया कि गोशिलि इस नई सुविधा के माध्यम से उन्नत युद्धपोत निर्माण को बढ़ाने और हजारों कुशल रोजगार सृजन करने की उम्मीद करती है। इसके अतिरिक्त, गोशिलि आंध्र प्रदेश में एक नई जहाज निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए ₹1,500 करोड़ का निवेश करने जा रही है। यह कंपनी, जिसने पांच दशकों से अधिक समय से भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और कई मित्र देशों के लिए जहाज बनाए हैं, पहली बार गोवा से बाहर विस्तार कर रही है।

कमोडोर आदिकेश वासुदेवन, महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं), ने बताया कि बढ़ते ऑर्डरों के कारण अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता उत्पन्न हुई है। उन्होंने बताया कि पूर्वी तट पर एक सुविधा स्थापित होने से गोशिलि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को अधिक कुशलता से जहाजों की आपूर्ति कर सकेगी। कंपनी पहले से ही अपने गोवा स्थित संयंत्र से दक्षिण अमेरिकी देशों को जहाजों की आपूर्ति करती है। वासुदेवन ने बताया कि जहाज निर्माण कार्य मौसम की स्थितियों, विशेषकर मानसून से बहुत प्रभावित होता है। विशेषकर मानसून के मौसम में गोवा में बाहरी निर्माण कार्य रुक जाता है। पूर्वी तट पर स्थित इकाई कंपनी को पश्चिमी तट पर खराब मौसम के बावजूद उत्पादन जारी रखने में सक्षम बनाएगी। गोशिलि पिछले लगभग आठ महीनों से आंध्र प्रदेश सरकार के साथ बातचीत कर रही है और उसने शुरू में मछलीपट्टनम में 200 एकड़ जमीन मांगी थी। उपयुक्त जगह अभी तय की जा रही है। वासुदेवन के अनुसार, अन्य पूर्वी तटीय राज्यों की तुलना में आंध्र प्रदेश को इसलिए प्राथमिकता दी गई क्योंकि इसकी एक स्पष्ट समुद्री क्लस्टर नीति है, जिसने निर्णय लेने की प्रक्रिया में मदद की।

संदर्शन

सार्वजनिक उपक्रम संबंधी संसदीय समिति

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को माननीय सांसद श्री बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में गठित सार्वजनिक उपक्रम संबंधी संसदीय समिति (सीओपीयू) के माननीय सदस्यों की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समिति को गोशिलि के प्रचालन प्रदर्शन, स्वदेशीकरण पहलों और रणनीतिक भविष्य की कार्ययोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, जिसके बाद समिति ने प्रमुख जहाज निर्माण और अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधाओं का संदर्शन किया। बातचीत की इस प्रक्रिया ने स्वदेशी क्षमता विकास, तकनीकी आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के प्रति गोशिलि की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।



पोश (पीओएसएच) अधिनियम पर संवादात्मक सत्र

गोशिलि को राष्ट्रीय महिला आयोग की माननीय सदस्य डॉ. अर्चना मजूमदार और गोवा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पई की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। डॉ. मजूमदार ने पोश अधिनियम, आईसी प्रक्रियाओं और लैंगिक संवेदनशीलता पर एक संवादात्मक और ज्ञानवर्धक सत्र का संचालन किया। श्रीमती पई ने भी सभा को संबोधित कार्यक्रम किया। कर्मचारियों के दौरान रोचक प्रश्नो का अतिथि संकाय द्वारा उत्तर देकर समाधआन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने एक कॉर्पोरेट प्रस्तुति में भी भाग लिया और गोशिलि की प्रमुख सुविधाओं का संदर्शन किया। उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन से सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल के प्रति गोशिलि की प्रतिबद्धता और भी मजबूत होती है।



रक्षा मंत्रालय के अपर सचिव एवं अधिग्रहण महानिदेशक

रक्षा मंत्रालय के अपर सचिव एवं अधिग्रहण महानिदेशक श्री ए. अंबरासु, आईएएस ने दिनांक 1 दिसंबर 2025 को गोशिलि का दौरा किया। महानिदेशक अधिग्रहण को चल रही परियोजनाओं, अधिग्रहण से संबंधित प्रमुख पहलों, भविष्य की विकास योजनाओं और यार्ड में विकसित किए जा रहे आधुनिक और अत्याधुनिक बुनियादी अवसरचना के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और भारत की समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने में गोशिलि के प्रयासों की सराहना की।



हिंदी पखवाड़ा 2025

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की भांति गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 16 से 30 सितंबर 2025 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस 2025 के अवसर पर माननीय गृह मंत्री जी एवं हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा जारी संदेशों को गोवा शिपयार्ड में दर्शक इंट्रानेट सिस्टम द्वारा सभी कार्मिकों तक पहुंचाया गया, ताकि इन संदेशों से प्रेरणा लेते हुए सरकारी काम-काज में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ाया जा सके।

हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न अखिल गोवा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है :

हिंदी निबंध प्रतियोगिता

दिनांक 16 सितंबर 2025 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था त्रिभाषा फॉर्मूला के मूल में हिंदी की भूमिका। प्रतियोगिता में 17 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्रीमती स्वाति डी. सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्री द्वारका प्रसाद प्रजापत
एसपीएस
तृतीय



सुश्री संगीता जयंत नाईक
निदेशक (सचिवालय)
सांत्वना



श्री विकास बिष्ट
इंजीनियरिंग आउटफिट
सांत्वना

राजभाषा (हिंदी) प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

दिनांक 17 सितंबर 2025 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए राजभाषा (हिंदी) प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



श्री अभिजीत
साइंसे एवं जम
प्रथम



श्री अतुल मोरेश्वर खराड
पेंट शॉप
द्वितीय



श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय



श्री अभय डी. कुंडईकर
वाणिज्य
सांत्वना



श्री सम्पत लाल ढिमरा
इंजीनियरिंग आउटफिटट
सांत्वना

अखिल गोवा राज्य स्तरीय स्कूली बच्चों के लिए हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

दिनांक 18 सितंबर 2025 को अखिल गोवा राज्य स्तरीय छठवीं, सातवीं, आठवीं एवं नौवीं स्कूली बच्चों के लिए हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न विद्यालयों के कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



पुरुषोत्तम जे. एस. ठाकुर
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2,
वास्को-द-गामा
प्रथम



कुमारी दिविशा शर्मा
नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चिखली
द्वितीय



कुमारी परिणीता
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1,
वास्को-द-गामा
द्वितीय



अवनीश पाटिल
भारतीय विद्या भवन विद्यालय, उपासनगर
तृतीय



कुमारी श्रव्या संदीप थली
डॉ. के. बी. हेगडेवार उच्च विद्यालय,
कुजिरा, बंबोलिम
सांत्वना



कुमारी सिमरन कुशवाहा
एमएमसी मनोहर पर्रीकर उच्च विद्यालय, वास्को
सांत्वना

अखिल गोवा राज्य स्तरीय स्कूली बच्चों के लिए हिंदी भाषण प्रतियोगिता

दिनांक 19 सितंबर 2025 को अखिल गोवा राज्य स्तरीय दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं स्कूली बच्चों के लिए हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था - अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न विद्यालयों के कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



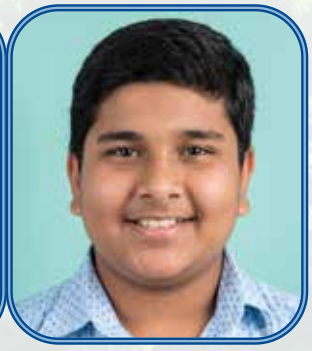
कुमारी अराध्या मिश्रा
संत एन्ड्रयू उच्च माध्यमिक विद्यालय, वास्को
प्रथम



कलश मिश्रा
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2, वास्को-द-गामा
द्वितीय



दर्श शर्मा
नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चिखली
तृतीय



वरद हेगड़े देसाई
डॉ. के. बी. हेगडेवार उच्च विद्यालय, कुजिरा, बंबोलिम
सांत्वना

गोशिलि एवं केऔसुब (गोशिलि इकाई) परिवार के बच्चों के लिए हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता

दिनांक 20 सितंबर 2025 को गोशिलि एवं केऔसुब (गोशिलि इकाई) परिवार के बच्चों के लिए हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में हिंदी व्याकरण से संबंधित वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए थे। प्रतियोगिता में कुल 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया।



कुमारी संजुक्ता पालित
सुपुत्री श्री सौगत कुमार पालित
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



अवनीश कठेल
सुपुत्र श्री रजनीश कठेल
तकनीकी सेवाएं
द्वितीय



रुद्रम इंगे
सुपुत्र श्री अभय वी. इंगे
एफपीजी
तृतीय



सात्विक आचार्य
सुपुत्र श्रीमती कविता आचार्य
स्वा सु प
सांत्वना



भव्यांशु यादव
सुपुत्र श्री बीरेन्द्र कुमार यादव
साइंसे एवं जम
सांत्वना

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

दिनांक 22 सितंबर 2025 को दक्षिण गोवा, नराकास के तत्वावधान में अखिल गोवा राज्यस्तरीय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न सरकारी कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों से कुल 35 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



श्रीमती उत्कलिका पुजारी
नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चिखली
प्रथम



श्री रोहित कुमार शुक्ला
आयएनएस हंस, दाबोलिम
द्वितीय



श्रीमती ऋचा शर्मा
केन्द्रीय विद्यालय,
भारतीय नौसेना पोत, माण्डवी
द्वितीय



श्री रवीन्द्र
बैंक ऑफ इंडिया, पणजी
तृतीय



श्री प्रमोद कुमार
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, वास्को
सांत्वना



श्री प्रवीण आनंद पाटील
गोवा शिपयार्ड लिमिटेड
सांत्वना

हिंदी सुझाव प्रतियोगिता

दिनांक 23 सितंबर 2025 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/ कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि इकाई) के लिए हिंदी सुझाव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था - गोशिलि में हिंदी के प्रयोग बढ़ाने हेतु। कुल 17 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



सुश्री संगीता जयंत नाईक
निदेशक (सचिवालय)
प्रथम



श्री दिलीप
नव निर्माण (हल)
द्वितीय



श्रीमती दिव्या के. घारसे
स्वा सु प
तृतीय

हिंदी में हस्ताक्षर प्रतियोगिता

दिनांक 24 सितंबर 2025 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों के लिए हिंदी में हस्ताक्षर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 49 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



श्री रमीज राजा
वित्त
प्रथम



श्री अमित कुमार
अप्रनि (सचिवालय)
द्वितीय



श्रीमती निकिता खेमराज अमोनकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

दिनांक 25 सितंबर 2025 को अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक प्रोत्साहन योजनाएं हैं, जिनके अंतर्गत पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं।

1. हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने हेतु प्रोत्साहन योजना
2. अंग्रेजी के अलावा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए आशुलिपिक और टाइपिस्ट के लिए प्रोत्साहन योजना
3. हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' में छपी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कार योजना
4. दसवीं एवं बारहवीं परीक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हमारे कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रोत्साहन योजना

गोशिलि कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रोत्साहन योजना

गोशिलि कार्मिकों के बच्चों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित करने तथा हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए संचालित दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हमारे कार्मिकों के बच्चों में से दो बच्चों को प्रथम तथा द्वितीय स्थान स्वरूप क्रमश: 2500/- रुपए एवं 1700/- रुपए की नकद राशि के पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र समापन समारोह के दौरान प्रदान किए गए।

दसवीं कक्षा



कुशल
सुपुत्र श्री देवेन्द्र सिंह
मानव संसाधन एवं प्रशासन



मयंक कुमार साहू
सुपुत्र श्री आशुतोष साहू
वित्त

बारहवीं कक्षा



कुमारी तेजश्री गौरिश नाईक
सुपुत्री श्रीमती माधवी गौरिश नाईक
वाणिज्य



कुमारी साईशा सागर रेडकर
सुपुत्री श्री सागर शंकर रेडकर
ईपीएसपी

हिंदी में सर्वाधिक कार्यालयीन काम करने हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार



श्रीमती जान्हवी पी. हलणकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्रीमती माया डी. चोपडेकर
सतर्कता
द्वितीय



श्री राजेन्द्र एस. केरकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' में छपी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कार योजना

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष नियमित रूप से गृह पत्रिका गोवायार्ड दर्शन का प्रकाशन किया जाता है एवं चयनित लेख और कविता रचनाकृति के लिए पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

गोवायार्ड दर्शन (अप्रैल-सितंबर 2024) में प्रकाशित लेखों में से सर्वश्रेष्ठ तीन लेखों को पुरस्कार पुरस्कार प्रदान किए गए।

लेख श्रेणी



श्रीमती स्वाति डी. सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्री रोहित कुमार शुक्ला
आयएनएस हंस, दाबोलिम
द्वितीय



श्रीमती कादम्बिनी प्रियेश नाईक
पी एंड पीसी
तृतीय

कविता श्रेणी



श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्री अमित रविन्द्रनाथ यादव
शिपराईट
द्वितीय



श्री रफी शेख
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

गोवायार्ड दर्शन (अक्तूबर 2024 – मार्च 2025) में प्रकाशित लेखों में से सर्वश्रेष्ठ तीन लेखों को पुरस्कार पुरस्कार प्रदान किए गए।

लेख श्रेणी



श्री किरण कुमार
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्री सौगत कुमार पालित
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्री अमित रविन्द्रनाथ यादव
शिपराईट
तृतीय

कविता श्रेणी



श्रीमती स्वाति डी. सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



भव्यांशु यादव
सुपुत्र श्री बीरेन्द्र कुमार यादव
साइंसे एवं जम
द्वितीय



श्री अनुज गावडे
भ्राता श्रीमती योजना गावडे
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण दिनांक 30 सितंबर 2025 को श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

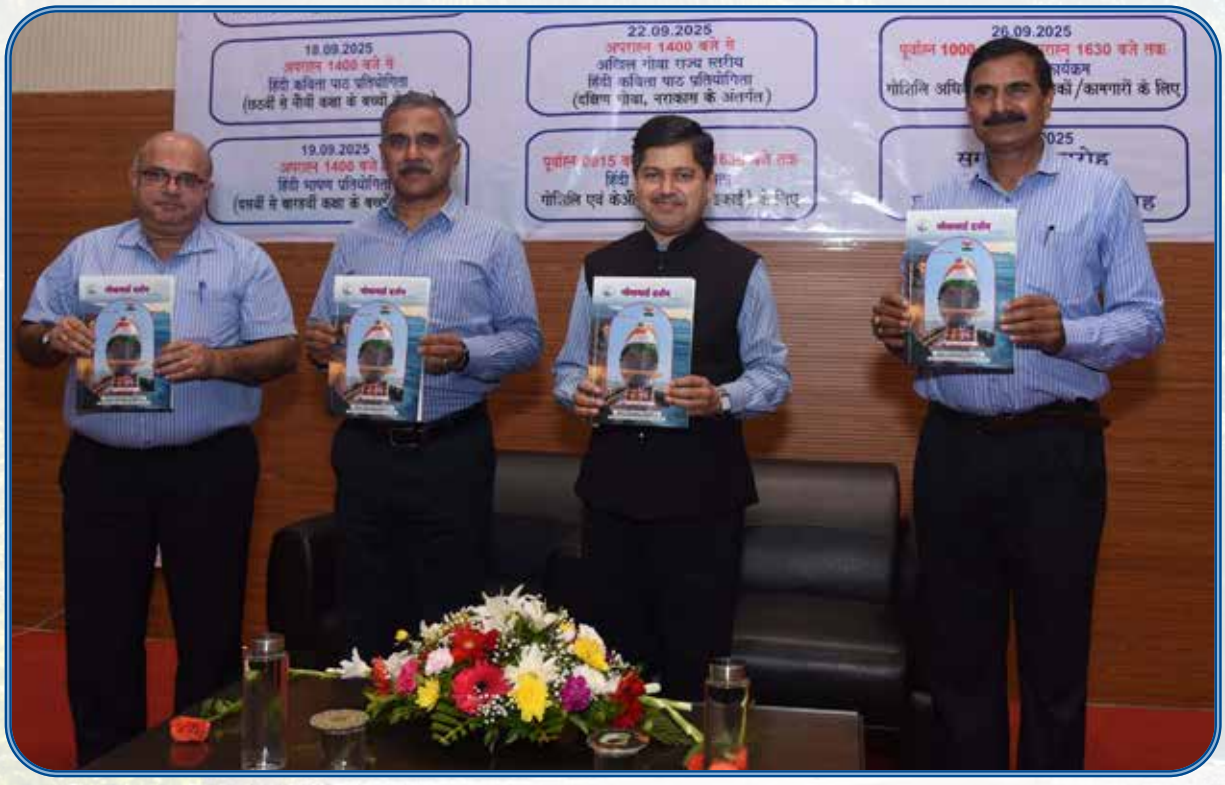


राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की तिमाही बैठक

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 30 सितंबर 2025 एवं दिनांक 20 दिसंबर 2025 को राजभाषा कार्या¬न्वय¬न समिति की क्रमश: 106वीं एवं 107वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान गोशिलि में राजभाषा हिंदी गतिविधियों के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन के अलावा वर्ष में एक बार हिंदी संगोष्ठी के आयोजन का निर्णय लिया गया। हिंदी पुस्तकालय के लिए हिंदी पुस्तक खरीद के विषय में चर्चा के पश्चात निर्णय लिया गया। राकास समिति ने गोशिलि के आंतरिक अनुभागों/विभागों में हिंदी की प्रगति बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों की स्थिति की समीक्षा की गई।

'गोवायार्ड दर्शन' अप्रैल-सितंबर 2025 का विमोचन

दिनांक 30 सितंबर 2025 को हिंदी पखवाड़ा के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' (अप्रैल-सितंबर 2025) का विमोचन श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा रियर एडमिरल नेल्सन ए. जे. डि'सूज़ा, निदेशक (प्रचालन), श्री शशिकांत शिवाजी कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन) एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति में किया गया।



दक्षिण गोवा, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठक

दिनांक 25 सितम्बर 2025 को दक्षिण गोवा, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठक डॉ. एन. विनोद कुमार, आईपीओएस, अध्यक्ष, एमपीए और अध्यक्ष, नराकास, दक्षिण गोवा की अध्यक्षता में अपराह्न 1600 बजे आयोजित की गई। बैठक में श्री एस.एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन) और श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से शामिल हुए।

हिंदी कार्यशाला

रक्षा मंत्रालय, राजभाषा विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार हर तिमाही में न्यूनतम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाना अनिवार्य है।

जुलाई-सितंबर तिमाही

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत मूल रूप से हिंदी में किए गए कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 25 सितंबर 2025 को अधिकारियों/ पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, हिंदी कार्यशाला के संचालन हेतु डॉ. राकेश शर्मा, उपनिदेशक (राजभाषा), राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान को अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. राकेश शर्मा, उपनिदेशक (राजभाषा) द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में आईटी और एआई टूल्स की भूमिका विषय पर तथा अपराह्न सत्र में अतिथि विशेष द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन : चुनौती और संभावनाएं विषय पर प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। गोशिलि के 37 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।



अक्तूबर-दिसंबर तिमाही

दिनांक 21 नवंबर 2025 को अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन श्री संतोष एस. सावंत, कनिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा किया गया। कुल 21 अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों ने भाग लिया।



सतर्कता जागरूकता सप्ताह

गोशिलि में 18 अक्तूबर 2025 से 17 नवंबर 2025 तक निवारक सतर्कता पर 3 महीने का अभियान चलाया गया, जिसमें निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया : लंबित शिकायतों का निपटारा, लंबित मामलों का निपटारा, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, संपत्ति प्रबंधन एवं डिजिटल पहल



दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025 का उद्घाटन समारोह गोशिलि में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें गोशिलि के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इसके बाद कार्यकारी अप्रनि द्वारा समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। उद्घाटन समारोह के दौरान भ्रष्टाचार के बुरे प्रभावों और सतर्कता के बारे में जागरूकता दिखाने वाली एक छोटी वीडियो फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें अप्रनि, गोशिलि और निदेशक (प्रचालन) का सीवीसी के सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निर्देशों के बारे में वीडियो संदेश शामिल था।

सतर्कता के बारे में जागरूकता पैदा करने और सोशल मीडिया पर इसे ज़्यादा कवरेज देने के लिए, इस वीडियो को यूट्यूब चैनल पर भी अपलोड किया गया था। गोशिलि सेरेनेड ग्रुप ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जिसके बाद सतर्कता पर आधारित "सतर्क भारत सशक्त भारत" गीत गाया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान मुरगांव म्युनिसिपल काउंसिल के मनोहर पर्रिकर हाई स्कूल, वास्को के छात्रों द्वारा भ्रष्टाचार के बुरे प्रभावों और सतर्कता जागरूकता पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) में 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025 तक "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" विषय पर सतर्कता



जागरूकता सप्ताह 2025 मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 अभियान के अंतर्गत कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए, सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के साथ-साथ भ्रष्टाचार और उसके बुरे प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इन-हाउस और आउटडोर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जैसे -

(क) स्कूली छात्रों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता

(ख) कॉलेज छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता

(ग) गोशिलि के लिए पोस्टर और घोष वाक्य प्रतियोगिता

(घ) गोशिलि कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता

उपरोक्त सभी कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 की थीम "सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी" के साथ आयोजित किए गए थे। इन कार्यक्रमों को गोशिलि कर्मचारियों और छात्रों ने खूब सराहा।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के कार्यक्रम के अंतर्गत गोशिलि के वाणिज्य विभाग के साथ एक विक्रेता बैठक और उसके बाद शिकायत निवारण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सभी के लिए अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता हासिल करने पर विशेष ध्यान दिया गया। गोशिलि के साथ काम करने वाली फर्मों/विक्रेताओं को विक्रेता बैठक के लिए आमंत्रित किया गया। कुल 27 अलग-अलग फर्मों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली इन फर्मों से सुझावों को शामिल करने और नियमों और विनियमों में बिना किसी बदलाव के खरीद प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए फीडबैक लिया गया।

गोशिलि ने वीवीएम श्री दामोदर कॉलेज ऑफ कॉमर्स इकोनॉमिक्स, मडगांव, गोवा के सहयोग से कॉलेज परिसर में एक अंतर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार से होने वाले खतरों की गंभीरता के बारे में जनता में, खासकर युवाओं में जागरूकता बढ़ाना था। यह प्रतियोगिता सफल रही और इसमें गोवा के 07 कॉलेजों ने भाग लिया।

गोशिलि ने गोवा के नेउरा गांव पंचायत में एक जागरूकता ग्राम सभा का आयोजन किया। विभाग प्रमुख (सतर्कता) ने सीवीसी की भूमिका और आम जनता के लिए उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र के बारे में बताया। भ्रष्टाचार के बुरे प्रभावों को उजागर करने वाली सीवीसी डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गईं। नेउरा गांव पंचायत के सरपंच ने कार्यक्रम इस विषय में अपनी बात करते हुए गांव में इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए गोशिलि को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में पंचायत सदस्य, नेउरा क्षेत्र के पंचायत इलाके के नागरिक और साथ ही स्कूल के छात्र भी शामिल हुए।

चूंकि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के प्रमुख क्षेत्रों में से एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम है, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता सत्र



शामिल हैं, गोशिलि, सतर्कता विभाग ने सीवीसी द्वारा बताए गए विभिन्न विषयों पर गोशिलि के अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेका कर्मचारियों के लिए कुल 10 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए, जो इस प्रकार हैं;

उच्च सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), गोशिलि द्वारा नामित गोशिलि अधिकारियों के लिए "नैतिकता और ईमानदारी की संस्कृति का निर्माण-जीओआई तंत्र" पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कुल 91 गोशिलि पदधारियों ने सत्र में भाग लिया। गोशिलि द्वारा नमित गोशिलि अधिकारियों के लिए वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा /गोशिलि द्वारा नामित गोशिलि अधिकारियों के लिए "पीआयओ कॉल और उनके काम करने का तरीका और साइबर सुरक्षा" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुल 17 गोशिलि अधिकारियों ने सत्र में भाग लिया। श्री टी. श्रीधरन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शाखा प्रमुख, सीबीआई, एसीबी, गोवा द्वारा "भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और आय से अधिक सम्पत्ति" पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इससे कुल 72 गोशिलि कार्यपालकों ने भाग लिया। गोशिलि के वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा गोशिलि कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के लिए "सतर्कता जागरूकता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 38 अनुबंध कर्मचारियों ने भाग लिया। गोशिलि के वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा गोशिलि पदधारियों के लिए "सर्टिफाइड स्टैंडिंग ऑर्डर्स" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 23 गोशिलि अधिकारियों ने भाग लिया। गोशिलि के वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा गोशिलि अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए "जांच और निष्कर्ष" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 18 गोशिलि कार्यपालकों और अधिकारियों ने भाग लिया। वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा नामित गोशिलि अधिकारियों के लिए "एसेट्स" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 72 गोशिलि कार्यपालको ने भाग लिया। श्री दीपक पेडणेकर, पुलिस निरीक्षक, साइबर क्राइम, गोवा पुलिस द्वारा नामित गोशिलि अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए "साइबर सुरक्षा और साइबर जागरुकता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 92 गोशिलि कार्यपालकों और अधिकारियों ने सत्र में भाग लिया। वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा नामित गोशिलि अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए "सीटीई टाइप इंटेंसिव एग्जामिनेशन आयोजित करना" पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कुल 60 गोशिलि कार्यपालकों और अधिकारियों ने सत्र में भाग लिया। वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा गोशिलि अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए 02 अलग-अलग बैचों में "सीडीए नियमों" पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कुल 53 गोशिलि कार्यपालकों और अधिकारियों ने सत्र में भाग लिया। वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा गोशिलि कार्यपालकों और अधिकारियों के लिए "चार्जशीट बनाना" पर प्रशिक्षण सत्र में कुल 16 गोशिलि कार्यपालकों और अधिकारियों ने भाग लिया।

आखिरी दिन, दिनांक 01 नवंबर 2025 को गोशिलि में सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2025 के दौरान हुई अलग-अलग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सर्टिफिकेट देने के लिए एक समापन समारोह आयोजित किया गया। श्री बी. के. उपाध्याय, अप्रनि, गोशिलि, ने समारोह में मौजूद विभाग प्रमुख, अन्य वरिष्ठ कार्यपालकों और पुरस्कार विजेताओं को संबोधित किया। सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2025 का कार्यक्रम गोशिलि में गोशिलि सतर्कता विभाग द्वारा वरिष्ठ प्रबंधक के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।



कौमी एकता सप्ताह




कौमी एकता सप्ताह या राष्ट्रीय एकता सप्ताह पूरे भारत में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हर साल 19 नवंबर से 25 नवंबर तक मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को एकता, शांति, प्रेम और भाईचारे के लिए प्रोत्साहित करना है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में भी धर्मनिरपेक्षता, अहिंसा, भाषाई सौहार्द, विरोधी सांप्रदायिकता, सांस्कृतिक एकता, कमजोर वर्गों के विकास और खुशहाली, अल्पसंख्यकों के महिला और संरक्षण के मुद्दों को उजागर करने के लिए कौमी एकता सप्ताह के दौरान दिनांक 19 नवंबर 2025 को निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं दिनांक 20 नवंबर 2025 को कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हिंदी, अंग्रेजी एवं कोंकणी में किया गया। इसका विषय था विविधता में एकता को अपनाना। सप्ताह का उत्सव राष्ट्रीय एकता की शपथ के साथ शुरू हुआ। कौमी एकता का मतलब है अनेकता में एकता। हमारे आपसी मतभेद और मनभेद नहीं होने चाहिए। कौमी एकता सप्ताह हमें भारत की एकता और अखंडता के महत्व को याद दिलाता है, देश के विकास और प्रगति के लिए एकजुट होने का संदेश देता है एवं भारत की विविधता में एकता का महत्व समझाता है।











गांधी जयंती पर "स्पेशल कैंपेन 5.0" के तहत स्वच्छ भारत दिवस

दिनांक 02 से 31 अक्टूबर 2025 तक भारत सरकार की एक पहल, "स्पेशल कैंपेन 5.0" नागरिकों और संस्थानों से एक स्वच्छ और हरित भारत बनाने में साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान करती है। गोशिलि ने इस राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन करते हुए सक्रिय भूमिका निभाई और अपने प्रयासों को भारत सरकार के साथ जोड़ा। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड "स्पेशल कैंपेन 5.0" (02 से 31 अक्टूबर 2025) के तहत स्वच्छ भारत दिवस मनाकर गांधी जयंती को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया और स्वच्छ, हरित तथा मजबूत भारत के महात्मा गांधी के विजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।



इस कार्यक्रम का नेतृत्व गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने किया, जिसमें मुरगांव म्युनिसिपल काउंसिल (एमएमसी) के अध्यक्ष, श्री गिरीश बोरकर, गोशिलि के वरिष्ठ प्रबंधन, कर्मचारियों, केऔसुबल कर्मियों और सफाई मित्रों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता की शपथ के साथ हुई। अप्रनि, श्री बृजेश के उपाध्याय ने शपथ दिलाई, जिसमें स्वच्छता, कचरा कम करने और मजबूत तरीकों के प्रति गोशिलि के समर्पण को दोहराया गया।

जिसके बाद "श्रमदान" और समुदाय-संचालित स्वच्छता की भावना को दर्शाने वाली गतिविधियाँ संपन्न की गईं। गोशिलि परिसर से सेंट एंड्रयू सर्कल तक वास्को शहर के समुचित भागों को समाविष्ट करते हुए एक बड़े पैमाने पर "श्रमदान" अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्लास्टिक और सूखे कचरे को हटाने, सुरक्षित निपटान और सार्वजनिक स्थानों के रखरखाव पर ध्यान केंद्रित किया गया। दिनांक 17 से 30 सितंबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा 2025 तैयारी चरण के तहत पखवाड़े भर चलने वाले स्वच्छोत्सव 2025 के रूप में, गोशिलि ने स्थानीय निवासियों, स्कूलों और सामुदायिक समूहों को सक्रिय रूप से शामिल किया ताकि स्वच्छता, कचरा अलग करने और महात्मा गांधी द्वारा समर्थित पर्यावरणीय आदर्शों के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके।



स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 5.0 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गोशिलि के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के बच्चों के लिए दो वर्गों जूनियर आयु वर्ग (07 वर्ष से 11 वर्ष तक) में चित्रकला प्रतियोगिता एवं सीनियर आयु वर्ग (11 वर्ष से ऊपर 17 वर्ष तक) में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 31 अक्तूबर 2025 को किया गया, जिसका विषय था 'ई-कचरा प्रदूषण'। बच्चों ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे से हमारे देश को स्वच्छ रखने के विभिन्न विचारों को दर्शाते हुए सुंदर और रंगीन चित्र प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करने और स्वच्छता प्रथाओं और स्वास्थ्य, समाज और ग्रह पर उनके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए यह पहल की गई थी। प्रतिभागियों के निबंध का मूल्यांकन विषयवस्तु, विचारों की स्पष्टता, रचनात्मकता, व्याकरण, विराम चिह्नों के आधार पर किया गया। विजेताओं को 26 जनवरी 2026 को पुरस्कार प्रदान किए गए।

07 वर्ष से 11 वर्ष तक के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता



विवान एस. बेटगेरी
सुपुत्र श्री श्रीनिवास के. बेटगेरी
हल आउटफिट
प्रथम



कुमारी संजुक्ता पालित
सुपुत्री श्री सौगत कुमार पालित
मा. सं. एवं प्रशा.
द्वितीय



कुमारी क्रिजेन जोसेफ
सुपुत्री श्री मनोज जी. के.
तकनीकी सेवाएं
तृतीय

11 वर्ष से ऊपर 17 वर्ष तक के लिए निबंध प्रतियोगिता



रुद्रम इंगे
सुपुत्र श्री अभय वी. इंगे
एफपीजी
प्रथम



अर्जुन हाजरा
सुपुत्र श्री सत्येन हाजरा
शिपलिफ्ट एवं शिपराईट
द्वितीय



कुमारी ईशा देवानंद पाटेकर
सुपुत्री श्री देवानंद एस. पाटेकर
उत्पादन
तृतीय

देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में देशभक्ति के जोश और "वंदे मातरम के 150 साल" थीम के साथ गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया इस अवसर पर और भारत की समुद्री रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और राष्ट्रीय प्रगति प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का संकल्प लिया गया। समारोह का शुभारंभ गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा अग्रनि महोदय को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रीय पर्व के उत्सव का सिलसिला एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ जारी रहा, जिसमें गोशिलि सेरेनेड समूह द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति, म्यूनिसिपल स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन और केऔसुबल कर्मियों द्वारा ड्रिल का प्रदर्शन शामिल था। सांस्कृतिक कार्यक्रम की सामूहिक प्रस्तुति ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को और बढ़ाया।



सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने गोशिलि परिवार को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक आदर्शों पर प्रकाश डाला, जो भारत के लोकतांत्रिक और विकासात्मक सफर का मार्गदर्शन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह "वंदे मातरम के 150 वर्ष" की राष्ट्रीय थीम के तहत मनाया जा रहा है, जो राष्ट्रगीत से प्रेरित देशभक्ति और एकता की अटूट भावना का स्मरण कराता है।



अग्रनि महोदय ने इस वर्ष के लिए मार्गदर्शक राष्ट्रीय मंत्र : **"स्वतंत्रता का मंत्र - वंदे मातरम"** और **"समृद्धि का मंत्र - आत्मनिर्भर भारत"** का जिक्र करते हुए ज़ोर देकर कहा कि ये आदर्श भारत के ऐतिहासिक आज़ादी के संघर्ष और आत्मनिर्भरता, खुशहाली और स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी की ओर उसके पक्के इरादे, दोनों को दिखाते हैं। श्री उपाध्याय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि गोशिलि, रक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रमुख रक्षा जहाज निर्माता के तौर पर, आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ दृढ़ता से जुड़ा हुआ है, और स्वदेशी जहाज निर्माण की बेहतरीन तकनीक के माध्यम से अहम योगदान दे रहा है।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने 2026 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में "प्रोसेस ऑप्टिमाइज़ेशन और इंस्टीट्यूशनल एजिलिटी का वर्ष" घोषित किया, जो इस मूल मंत्र पर आधारित है :-

"एक प्रक्रिया, एक निर्णय, एक समय-सीमा"

कर्मचारियों से स्टैंडर्ड सिस्टम और बेहतर प्रक्रिया के ज़रिए अधिक उत्पादकता, सामर्थ्य और समय पर फैसले लेने की अपील की। गोशिलि के दूरदर्शी संगठनात्मक रोडमैप को साझा करते हुए, अप्रनि ने "एक प्रक्रिया, एक निर्णय, एक समयसीमा" के मंत्र के तहत गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में 2026 को "प्रक्रिया अनुकूलन और संस्थागत दक्षता का वर्ष" घोषित किया। उन्होंने कर्मचारियों से मानकीकृत प्रणालियों और बेहतर प्रक्रियाओं के माध्यम से उच्च उत्पादकता,

दक्षता और समय पर निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया। गणतंत्र दिवस समारोह में कंपनी के निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, विभाग प्रमुख, अधिकारी, कर्मचारीगण, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के उप कमांडेंट एवं जवान और पुरस्कार विजेता उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान गोशिलि के सेरेनेड ग्रुप द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत गीत प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर म्यूनिसिपल हाई स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों द्वारा रंग-बिरंगे परिधानों में देश के विभिन्न भागों की संस्कृति की झलक दिखाते हुए नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के पश्चात लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट से सारा वातावरण उमंग और उल्लास से भर गया। सब कुछ जैसे देशभक्तिमय प्रतीत हो रहा था। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का जोश भरा प्रदर्शन रोमांचित करने वाला था। सभी जवानों की चुस्ती फुर्ती देखते बनती थी और उनकी सजगता से मानो सब कुछ सजीव सा प्रतीत हो रहा था। बड़े



ही सरल और सहज रूप में एक सधे हुए अंदाज में इन जवानों की प्रस्तुति ने सभी को रोमांच से भर दिया था। सभी उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से उनका उत्साहवर्धन किया।

समारोह में उत्कृष्ट कर्मचारियों को उनकी अनुकरणीय निष्ठा और योगदान के सम्मान में प्रशंसा पुरस्कार, विशेष प्रशंसा पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इसके अलावा दीर्घावधि सेवा पुरस्कार, कौमी एकता सप्ताह के दौरान गोशिलि कर्मचारियों एवं केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बलों के लिए आयोजित निबंध लेखन और कविता लेखन प्रतियोगिताओं के पुरस्कार, स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 5.0 के दौरान गोशिलि / केऔसुब कर्मचारियों के बच्चों हेतु आयोजित ड्राइंग और निबंध प्रतियोगिताओं के पुरस्कार भी वितरित किए गए। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों को सर्वश्रेष्ठ टर्न आउट (सबसे अच्छी वेशभूषा) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह का समापन सामूहिक गौरव और एकता की भावना के साथ हुआ जिसने भारत की प्रगति में योगदान देने और भारत की रक्षा और समुद्री ताकत की आधारशिला के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए गोशिलि की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।



महापरिनिर्वाण दिवस



दिनांक 6 दिसंबर 2025 को गोशिलि में भारतीय संविधान के प्रधान शिल्पकार, 'भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर को उनके 69वें "महापरिनिर्वाण दिवस' (पुण्य तिथि) पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अप्रनि, गोशिलि ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गोवा शिपयार्ड अजा/अजजा एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा धम्म वंदना, त्रिशरण और पंचशील का पाठ किया गया। निदेशक (प्रचालन), रियर एडमिरल नेल्सन ए. जे. डिसूज़ा, नौप, भानौ (निवृत्त), निदेशक (वित्त), श्री जहाँगीर आलम अंसारी, विभाग प्रमुख (मा.सं. एवं प्रशा), श्री शशिकांत एस. कांबले, अन्य विभाग प्रमुख, अधिकारी, अजा/अजजा के संपर्क अधिकारी श्री बांद्री विजय कुमार, गोवा शिपयार्ड अजा/अजजा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, श्री चेतन परदेशी, उपाध्यक्ष श्री कायतानो सूज़ा, श्री संजय राम, महासचिव, श्रीमती शिवांशी कवलेकर, कोषाध्यक्ष श्री योगेश कवलेकर, सलाहकार श्री राजेंद्र एस. केरकर और श्री संतोष एस. सावंत तथा अन्य कार्यकारी समिति के सदस्य उपस्थिति रहें। श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। अध्यक्ष श्री चेतन परदेशी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और अंत में उपाध्यक्ष श्री संजय कुमार राम ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नमन कार रैली की मेजबानी

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने 3 नवंबर 2025 को नमन कार रैली की मेजबानी की, जिसमें भारत के सशस्त्र बलों की वीरता और अटूट भावना का सम्मान किया गया और राष्ट्र की समुद्री उत्कृष्टता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्धता का उत्सव मनाया गया। प्रतिभागियों को भारतीय नौसेना और गोशिलि के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कमोडोर शिरीष दुबे, निवृत्त, मुख्य महाप्रबंधक (पी एंड पीसी) द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने युवा जहाज निर्माताओं के साथ बातचीत की और उन्हें राष्ट्र निर्माण और जहाज निर्माण में उत्कृष्टता की ओर प्रेरित किया। नौसेना कर्मियों और गोशिलि कर्मचारियों के उल्लासपूर्ण वातावरण के बीच, गोवा नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल अजय डी थियोफिलस ने रैली को हरी झंडी दिखाकर इस रैली को रवाना किया, जो राष्ट्र के प्रति गौरव, एकता और सेवा का प्रतीक है।



इनडोर गेम्स का आयोजन

कार्यस्थल पर उत्पादकता और मानसिक स्थिति के बीच सीधा संबंध है। इनडोर गेम्स संज्ञानात्मक कौशल को तेजी से बढ़ाने में सहायक होते हैं। बेहतर संज्ञानात्मक क्षमता से उत्पादकता बढ़ती है। कार्यस्थल पर उत्पादकता और मानसिक स्थिति के बीच सीधा संबंध है। टेबल टेनिस, कैरम एवं शतरंज जैसे इनडोर खेल हमारी जागरूकता और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करते हैं। ये मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं, शारीरिक समन्वय बनाए रखते हैं और मन को तेजी से और अधिक कुशलता से कार्य करना सिखाते हैं। कार्यालय में इनडोर गेम्स टीम वर्क, मानसिक तनाव को कम करने, कार्यकुशलता में सुधार करने और उत्पादकता बढ़ाने के बेहतरीन साधन हैं। ये खेल कार्यस्थल पर सकारात्मक माहौल बनाते हैं, रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं और सहकर्मियों के बीच आपसी तालमेल को बेहतर बनाते हैं। ब्रेक के दौरान ऐसे खेल मानसिक तरोताजा करते हैं। टेबल टेनिस, कैरम एवं शतरंज जैसे खेल कर्मचारियों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ एक मजेदार माहौल भी प्रदान करते हैं। ये कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ाते हैं। ब्रेक लेने के बाद कर्मचारी अधिक ऊर्जा और रचनात्मकता के साथ काम पर लौटते हैं, जिससे समग्र उत्पादकता में सुधार होता है। इन खेलों के आयोजन से कार्यालय का माहौल कम तनावपूर्ण और अधिक सकारात्मक बनता है, जिससे कर्मचारी खुश रहते हैं। इसलिए कर्मचारियों को कार्यालय में काम करते समय थोड़ा मनोरंजन बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना उचित है।



शतरंज केवल खेल नहीं, बल्कि संपूर्ण मानसिक विकास का एक प्रभावी उपकरण है। शतरंज हमारे मानसिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है। यह एक बेहतरीन ब्रेन एक्सरसाइज है जो याददाश्त, एकाग्रता, तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता को तेज करता है। यह तनाव कम करता है, धैर्य बढ़ाता है और रचनात्मकता को बढ़ावा देकर दिमाग को चुस्त-दुरस्त रखता है। यह मस्तिष्क के दोनों हिस्सों को सक्रिय करता है जिससे तार्किक और रचनात्मक सोच विकसित होती है। शतरंज जैसे खेल रणनीतिक सोच, दूरदर्शिता, एकाग्रता को बढ़ाता है और निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाते हैं। नियमित शतरंज खेलने से स्मरण शक्ति तेज होती है और एकाग्रता बढ़ती है। यह कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेना और दबाव में शांत रहना सिखाता है। यह अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसे मानसिक विकारों के जोखिम को कम करने में मदद करता है क्योंकि यह दिमाग को सक्रिय रखता है। यह खेल बोरियत दूर करने और मानसिक रूप से रिलैक्स करने का एक शानदार तरीका है। इस खेल में खिलाड़ी को कई चालें आगे की सोचनी पड़ती हैं, जिससे योजना बनाने का कौशल विकसित होता है। खेल के दौरान शांति बनाए रखना और अपनी बारी का इंतजार करना खिलाड़ी में धैर्य और मानसिक अनुशासन लाता है। यह खिलाड़ियों को नई और रचनात्मक चालें खोजने के लिए प्रेरित करता है जिससे रचनात्मकता बढ़ती है।

पुरुष वर्ग



अभिजीत
सामान्य इंजीनियरिंग सेवाएं
एवं जहाज मरम्मत
प्रथम



श्री शशिकांत शिवाजी कांबले
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

महिला वर्ग



सुश्री सूरश्री टी. एस.
तकनीकी सेवाएं
प्रथम



श्रीमती स्नेहा कारेकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्रीमती रुक्मा विनीत नाईक
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

कर्मचारियों के लिए कैरम खेलना एक बेहतरीन तनाव-मुक्त ब्रेक है जो मानसिक स्पष्टता, एकाग्रता और टीम के सदस्यों के बीच बेहतर तालमेल को बढ़ावा देता है। यह खेल फुर्ती बढ़ाने, रणनीतिक सोच विकसित करने और कार्यस्थल की संस्कृति को मनोरंजक व उत्पादक बनाकर टीम वर्क को मजबूत करता है। काम के दबाव से तुरंत राहत पाने और मानसिक ताजगी के लिए कैरम एक बेहतरीन साधन है। कैरम में निशाना साधने के लिए बहुत एकाग्रता की आवश्यकता होती है, जो काम पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को सुधारती है। हर चाल की योजना बनाने से विश्लेषणात्मक क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता तेज होती है। कैरम के शॉट्स लगाने से सूक्ष्म शारीरिक क्रियाओं की सटीकता निखरती है। यह हाथ और आँख के समन्वय को मजबूत करता है। यह खेल बारी का इंतजार करना सिखाता है। जीवन में कुछ भी हासिल करने के लिए हम सब को एक लक्ष्य की आवश्यकता होती है। कैरम में लक्ष्य सभी मोहरों के बीच में होता है। कैरम खेलना मनोरंजन के साथ-साथ मानसिक कसरत का भी एक प्रभावी जरिया है।

पुरुष वर्ग



श्री सुदेश के. मांजरेकर
तकनीकी सेवाएं
प्रथम



श्री रविकुमार तिप्पन्ना कादलीमाटी
गुणत्ता आश्वासन एवं विश्वसनीयता
द्वितीय



श्री स्वपनेश ए. पागी
तकनीकी सेवाएं
तृतीय

महिला वर्ग



श्रीमती स्वाति सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्रीमती निलोफर रा.
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्रीमती एकता सुरेश पाटिल
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

कार्यस्थल में टेबल टेनिस खेलना कर्मचारियों के लिए तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने, शारीरिक फिटनेस (हाथ-आँख समन्वय) में सुधार करने का एक बेहतरीन त्वरित तरीका है। यह मानसिक सतर्कता तेज करता है, रचनात्मकता को बढ़ावा देता है और काम के बीच एक ऊर्जावान ब्रेक प्रदान करता है। काम के बीच 10-15 मिनट का टेबल टेनिस ब्रेक मानसिक थकान को कम करता है और दिमाग दिमाग को तरोताजा करता है, जिससे काम में फोकस बढ़ता है। यह मध्यम तीव्रता वाला व्यायाम है जो हाथ-आँख के तालमेल, सजगता और चपलता को बेहतर बनाता है। टेबल टेनिस खेलने से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है, जिससे निर्णय लेने की क्षमता, रणनीतिक सोच और एकाग्रता में सुधार होता है।

पुरुष वर्ग



श्री समीर जयवंत सावंत
योजना एवं परियोजना नियंत्रण
प्रथम



श्री चार्ल्स सांतानो अलेमाओ
तकनीकी सेवाएं
द्वितीय



श्री जयदीप जयराम
वाणिज्य
तृतीय

महिला वर्ग



श्रीमती प्रांजल पंकज कारंगुटकर
सुरक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण
प्रथम



श्रीमती रश्मि
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्रीमती स्नेहा कारेकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

गोवा शिपयार्ड में मेरा अविस्मरणीय अनुभव

जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 'खेलो इंडिया अभियान' के माध्यम से देश के खिलाड़ियों में नई उर्जा और उत्साह का संचार किया है, इसी भावना से प्रेरित होकर हमारे गोशिलि में कल्याण अनुभाग की तरफ से इस वर्ष खेल को बढ़ावा देते हुए 'खेलो शिपयार्ड' का आयोजन किया गया। किसी भी खेल का आयोजन करना अपने आप में एक बहुत बड़ी चुन्नौती और जिम्मेदारी होती हैं, जिसके लिए उचित तैयारी, अनुशासन और टीम भावना की आवश्यकता होती है। क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए एक विशाल मैदान, बल्ला, गेंद, स्टम्प्स, स्कोरबोर्ड, ग्राउंड स्टाफ अंपायर, स्कोरर, ग्राउंडमैन आदि की व्यवस्था करना पड़ती है। इसके बावजूद खेल प्रतियोगिता का आयोजन बड़ी सफलता से किया गया।

मैं इस अवसर को अपने जीवन का एक अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव मानती हूँ। खेलकूद न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह हमें अनुशासन, एकता, नेतृत्व और सहयोग की भावना भी सिखाता है। क्रिकेट मेरा प्रिय खेल है और इस प्रतियागिता में भाग लेने का अवसर मिलना मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय था। मैं यहाँ विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूँगी कि जीवन में सीखी गई कोई भी चीज व्यर्थ नहीं जाती, हर अनुभव हमें कुछ न कुछ सीख दे जाती है। जीवन के हर पड़ाव पर बचपन की प्यारी यादें हमारे ह्रदय में मुस्कान बनकर उभर आती हैं और हर मोड़ पर हमें बचपन की यादें ताजा कर जाती हैं। वैसे ही जब क्रिकेट प्रतियोगिता के बारे में घोषणा की गई तो मुझे बड़ी खुशी हुई। शायद इसका कारण यह था कि बचपन से ही मुझे क्रिकेट से विशेष लगाव था और मैं अक्सर मैदानों में क्रिकेट देखने जाया करती थी तब उत्साह से हम मशहूर हस्तियों के ऑटोग्राफ लिया करते थे, मानो वह पल हमारे लिए किसी खजाने से कम न हों। जो भी क्रिकेटर भारत से गोवा में क्रिकेट खेलने आते थे मैं खुद जाकर उनसे ऑटोग्राफ लिया करती थी। मेरे पास अब भी ऑटोग्राफ की वह किताब मौजूद हैं। अब जब मैं अपनी सेवाओं से शीघ्र ही सेवानिवृत्त होने वाली हूँ और मुझे अपने प्रिय शौक को फिर से जीने का यह स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ है, तो इस अवसर को ठुकराने का साहस मैं नहीं कर सकी और मन में जरा भी संकोच किए बिना मैने उत्साहपूर्वक इस प्रतियोगिता में अपना नाम दे दिया। हमारी टीम मानव संसाधन एवं प्रशासन की ओर से खेल रही थी। मै हमारी टीम मे सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी थी। बहुत बार लोग वरिष्ठ को अनुभवी भी कहते हैं। हमारी टीम पूरी तरह से तैयार हो गई। हमने कप्तान और उपकप्तान की भी घोषणा की। हमारे लिए क्रिकेट प्रशिक्षण के खातिर एक छोटे मैदान की व्यवस्था की गई। काफी लंबे समय के बाद प्रैक्टिस के दौरान बल्ला और गेंद हाथ में लेकर क्रिकेट खेलना मेरे लिए बहुत रोमांचक अनुभव था। गेंद बल्ले से टकराती तो अनजाने में मुझे डर सा लग जाता कि कहीं वह मुझ पर न गिर जाए। बल्ला और गेंद को हाथ में थामना अब मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था। समय बीतता जा रहा था, अब हमें लगने लगा कि जैसे क्रिकेटर की जर्सी होती है वैसे ही हमारी भी एक जर्सी होनी चाहिए। मेरे सहकर्मी ने तुरंत हमारे लिए जर्सी की व्यवस्था की। जर्सी पाकर हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, माने हम वर्ल्ड कप खेल रहे हो।



अभी जर्सी पर नंबर देने का समय आया। किसी ने अपने जन्म दिन की तारीख, किसी ने अपना लकी नंबर, किसी ने धोनी का जर्सी नंबर तो किसी ने अपने कार या बाइक का नंबर डाला। हमने खेल के लिए जूते का भी इन्तजाम किया। जैसे ही मैच का दिन नजदीक आया तो हम थोड़े उत्साहित और साथ ही थोड़े भयभीत भी हो गए। हमारे कप्तान ने टीम के खिलाड़ियों के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी का क्रम निर्धारित किया। जो खिलाड़ी प्रैक्टिस के दौरान अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, उन्हे पहले बल्लेबाजी तथा गेंदबाजी करने भेजा गया। हमारी प्रतिद्वंदी की के रुप में वित्त विभाग की टीम खेल रही थी। क्योंकि महिलाओं की सिर्फ दो ही टीम थी इसीलिए हमें सीधे फाईनल खेलने का मौका दिया गया। हमें यह सुविधा भी दी गयी कि हम धीमी तौर पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मैदान में कदम रखते ही हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेरा बेटा खुद एक क्रिकेटर हैं और गोवा की रणजी टीम का प्रतिनिधित्व करता है, आज उसकी माँ स्वयं मैदान में खेल रही थी, यह मेरे लिए गर्व का क्षण था। हमारा खेल दोपहर के समय होने वाला था। टीम के सभी खिलाड़ी समय से पहले मैदान पर पहुँच गए और पुरुषों का मैच देखने लगे। पुरुष वर्ग में हर एक विभाग से कुल 35 टीम ने भाग लिया। मेच देखने के बाद ऐसा लग रहा था कि मेरी तरह शायद कई ऐसे प्रतिभागी होंगे जो कई सालों के बाद मैदान मे उतरे होंगे। कई खिलाड़ियों ने अपने बच्चों से प्रशिक्षण लिया। दूसरे शब्दों में कहें तो हर कोई बहुत ही उत्साहित था। हमने इस मैच मे जीत हासिल की और हमें उसी समय विजेता ट्रॉफी सौंप दी गयी। हम सभी बहुत खुश होकर घर गए और अपने घर पर जीत की यादें साझा कीं। समय बीतता गया। फिर से सभी अपने अपने काम में व्यस्त हो गए।



अचानक एक दिन खबर आई कि खेलो शिपयार्ड की तरफ से खेल गतिविधियों का आयोजन फिर एक बार होने जा रहा है। इस बार का मैच विभिन्न प्रकार का था। इस बार कैरम, शतरंज और टेबल टेनिस जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें मेरे जैसे कई प्रतिभागी थे जिन्हें अपने बचपन मे इन खेलों का अनुभव था। उन्हे इस प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। कई लोगों ने इन खेलों की प्रैक्टिस भी शुरु की, क्योंकि अनेक कोशिशों के बावजूद भी वह अब यह खेल न उसी कुशलता से नहीं खेल पा रहे थे। खिलाड़ियों के लिए विश्राम का समय दोपहर 1.00 बजे ले लेकर एक बजकर पैंतालिस मिनट का दिया गया था। सभी खिलाड़ियों ने इसके लिए अपनी तरफ से तैयारी शुरु की और अपने आपको इस खेल को खेलने लायक बनाया। नौसेना स्कूल से एक रेफरी को विशेष रुप से अपना निर्णय देने के लिए बुलाया गया था। वह इन तीनों खेलों में विशेषज्ञ थे और उन्हें सभी खेलों की अच्छी जानकारी थी। उन्होंने सभी खेलो में उचित निर्णय दिया। हालाकि कई खिलाड़ी पहली बार खेल रहे थे, लेकिन सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता एक सप्ताह तक चली, जिसके अंत में विजेता और उपविजेता घोषित किए गए।

देखा जाए तो हम अपनी रोज़मर्रा के कामों में इतने उलझ जाते हैं कि खुद के लिए समय निकालना भूल जाते है। इस प्रतियोगिता द्वारा हमारे अंदर की प्रतिभा को एक नयी दिशा मिली। हमें पता चला की हमारी कंपनी के लोगों में अपार प्रतिभा छापी हुई है, और शायद वह खुद भी इसके बारे में अनजान है। ऐसी प्रतियोगिताएं हमें उत्साहित/प्रोत्साहित करती है कि हम आगे बढे और अपनी कंपनी तथा अपने देश के लिए अपना सहयोग दे। मुझे खुशी है कि मैं गोवा शिपयार्ड में कार्यरत हूँ, जो उत्पादन के अतिरिक्त कंपनी के अधिकारियों तथा कर्मचारियों की जरूरतों एवं भावनाओं को भी समझते हैं। मैं गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे अपनी क्षमता और प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।



स्वाति दुर्गादास सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग

केरल का छिपा रत्न

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक छिपा हुआ रत्न है। मुन्नार अपने हरे-भरे सुंदर चाय के बागानों, धुंध भरी पहाड़ियों, ठंडे मौसम और शांति के कारण केरल का सबसे रोमांटिक स्थान माना जाता है। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए मुन्नार किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहाँ का दृश्य बेहद आकर्षक होता है। यह दक्षिण भारत के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है। तीन पहाड़ी धाराएँ मुतिरापूझा, नल्लथन्नी और कुंडला जहाँ मिलती हैं, वहाँ मुन्नार का उदय होता है।

समुद्र तट से लगभग 1600 मीटर ऊपर स्थित यह हिल स्टेशन कभी दक्षिण भारत में ब्रिटिश सरकार के गर्मियों का विश्राम स्थल हुआ करता था। यहाँ के जंगलों और घास के मैदानों में पाए जाने वाली विशेष वनस्पति नीलकुरिंजी है। यह नीला फूल बारह वर्षों में एक बार खिलता है। अगली बार यह 2030 में खिलेगा। इसलिए अगर किसी को नीलकुरिंजी फूल भी देखना है तो आप अपना घूमने का प्लान 2030 को बनाएं। दक्षिण भारत की सबसे ऊंची चोटी 2,695 मीटर भी मुन्नार में है। आनामुड़ी ट्रैकिंग की अच्छी जगह है।

हमने अपनी यात्रा 22 दिसंबर 2024 को मडगांव से शुरु की। ट्रेन द्वारा हम सबसे पहले सुबह साढ़े आठ बजे एर्नाकुलम स्टेशन पहुँचे। रेलवे स्टेशन में ही नाश्ता (इडुीअप्पम, अप्पम और मसाला दोसा) कर हम निकल पड़े मुन्नार की ओर। कोचीन से मुन्नार जाते वक्त आपको रास्ते में दो जलप्रपात चेयाप्परा और वलारा मिलेंगे। हमने भी अपनी गाड़ी रोककर दोनों जलप्रपात के पास फोटो खींचे। फिर हम अपने गंतव्य की ओर निकल पड़े। दोपहर तक हम अपने होटल प्रिंसेस द मुन्नार पहुँचे और खाना खाकर आराम किया। हमने अपने बॉलकानी से ही सूर्यास्त का नजारा देखा। हमने हर किसी से पता किया तो लोग मुन्नार घूमने के लिए दो दिन बता रहे थे। पर हम मुन्नार तीन दिनों के लिए गए थे इसलिए हमारे पास काफी समय था और मेरी राय है कि आप भी कम से कम एक दिन का अतिरिक्त समय लेकर चलें, जिससे आप मुन्नार की हर चीज का आनंद ले सकें।

अगले दिन सुबह ही होटल में नाश्ता कर हम साढ़े आठ बजे मुन्नार की सैर को निकल पड़े। सबसे पहले हम रोज गार्डन गए, जो मुन्नार शहर से करीब 2 कि.मी. की दूरी पर है। 2 एकड़ से ज्यादा जमीन पर फैले रोज गार्डन में तरह-तरह के गुलाब के



अलावे और भी फूलों एवं पौधों को देखा जा सकता है। यहाँ का प्रवेश शुल्क है प्रति व्यक्ति 20 रुपए। फोटोग्राफी के लिए यह जगह बेहद ही शानदार है। फिर हम पहुँचे बॉटनिकल गार्डन, यहाँ हमने कई तरह के नागफनी (कैक्टस) देखे। कुछ अजीब तरह के भी पौधे भी हमें देखने को मिले। इन दोनों ही गार्डन के खुलने का समय सुबह के 9 बजे से शाम के 6 बजे तक है। इसके बाद हम पहुँचे मेट्टापेट्टी बांध जो मुन्नार नगर से लगभग 13 कि.मी. दूर स्थित है। यहाँ आप आनंददायक बोट की यात्रा कर सकते हैं और आसपास की पहाड़ियों और भूभाग के नज़ारे देख सकते हैं। हमने यहाँ ज्यादा समय नष्ट न कर आगे कुंडला बांध की ओर बढ़ गए। कुंडला डैम एशिया के पहले आर्क बांधों में से एक है। इस बांध के पीछे बना कुंडला झील आसपास की पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरी हुई है, जो इसे और भी आकर्षक बनाती है। यहाँ भी नौका विहार की सुविधा है। यहाँ की शिकारा बोटिंग इस जगह की पहचान है। यहाँ पर्यटक कश्मीरी शैली की शिकारा नावों में बैठकर झील की सैर का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा पैडल बोट और रो बोट भी हैं।

दोपहर का खाना खाने के बाद हम इको प्वाइंट के लिए निकल पड़े, जो कुंडला डैम से चंद दूरी पर ही स्थित है। यहाँ का वातावरण शांत और ताज़गी भरा था। यहाँ की सबसे खास बात है यहाँ मिलने वाला इको इफेक्ट। जब हम यहाँ जोर से कुछ बोलते हैं तो हमारी आवाज़ कुछ सेकेंड बाद गूँजकर वापस आती है। यह अनुभव खासकर बच्चों और युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। बोटिंग की सुविधा यहाँ भी उपलब्ध है। पहाड़ों, झील और आसमान का अद्भुत मेल शानदार तस्वीरों के लिए बेहतरीन बैकग्राउंड देता है। हमारा अगला गंतव्य 20 कि.मी. दूर टॉप व्यू पाइंट था, जहाँ तक पहुँचने में हमें 1 घंटे का समय लगा। यह एक शानदार व्यू पॉइंट है जहाँ





से दूर-दूर तक फैली घाटियाँ, पहाड़ और बादलों का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सूर्यास्त का समय होने के कारण यहाँ का दृश्य और भी आकर्षक हो गया था, आसमान के रंग बदलते ही पूरी घाटी सुनहरी रोशनी में नहा जाती है। बादलों का खेल, पहाड़ियों की हरियाली शानदार तस्वीरों के लिए बेहतरीन पृष्ठभूमि प्रदान करती है। यह मुन्नार-कोडैक्कनल रोड का सबसे ऊंचा बिंदु है। मुन्नार जाने वाले यात्री टॉप स्टेशन ज़रूर जाते हैं जहाँ से पड़ोस के राज्य तमिलनाडु का खूबसूरत नज़ारा देखने को मिलता है। टॉप स्टेशन जो मुन्नार शहर से लगभग 32 कि.मी. दूर है, समुद्र तल से 1700 मीटर की ऊँचाई पर है। यहाँ से हम अपने होटल आ गए।

25 दिसंबर की रात के 2 बजे उठ कर हम लगभग 3 बजे अपने होटल से कोलुकुमलई के लिए निकले। सूर्यनल्ली गाँव मुन्नार सिटी से 32 किलोमीटर दूर है और हमारा होटल सिटी से करीब 12 किलोमीटर दूर था। हम सुबह के पौने चार बजे केरल-तमिलनाडु सीमा पर स्थित सूर्यनल्ली गाँव पहुँचे। अब आगे की 20 किलोमीटर ऑफरोड यात्रा हमें जीप से ही करनी थी। हम जिस जगह की यात्रा कर रहे थे वह दुनिया का सबसे ऊंचा स्थान है जहाँ चाय के बागान हैं। मुन्नार के चाय बागानों से गुजरते हुए अपना सफर शुरु करने का समय आ गया था। हम सुबह के पाँच बजे अपने गंतव्य पर पहुँचे तकरीबन 1 घंटे का समय लगा। 20 किलोमीटर की यात्रा के लिए 1 घंटा बहुत ज्यादा था परंतु यह कोई पक्की सड़क नहीं थी और इन कच्ची सड़कों पर बड़े-बड़े पत्थर। इन सड़कों पर अनुभवी ड्राइवर ही ड्राइविंग कर सकते थे। ड्राइवरों का कौशल शानदार

था। सभी जीप एक के पीछे एक चल रही थी। जरा सी भी असावधानी बड़े खतरे को आमंत्रण दे सकती थी। अंतिम के सात किलोमीटर तो बेहद कठिन थे। हमारे पूछने पर पता चला कि चाय बागान प्रबंधन नहीं चाहते कि उनके बागानों से बहुत अधिक वाहन गुजरे, इसलिए वे अच्छी सड़क बनाने को गंभीर नहीं हैं। यहाँ कुछ सीमित जीपों को ही अनुमति प्राप्त है। इसलिए पर्यटकों के लिए पहले से वाहन बुक करना बहुत महत्वपूर्ण है। अन्यथा उन्हें इस स्थान पर सूर्योदय का नजारा देखने से वंचित होना पड़ेगा। हम सूर्योदय से कुछ ही मिनट पहले ही वहाँ पहुँचे। सुबह के 5 बजकर 25 मिनट पर सूर्य की लालिमा दिखाई दी और हमने मनमोहक सूर्योदय देखा। चारों तरफ धुंध की सफेद चादर इतनी घनी कि लगता है पहाड़ बादलों पर तैर रहे हों। फिर धीरे-धीरे क्षितिज पर हल्की गुलाबी रेखा उभरती है। आसमान रंग बदलता है – बैंगनी से केसरिया और केसरिया से सुनहरा। सूरज जैसे ही बादलों के पीछे से झांकता है पूरी घाटी रोशनी से भरने लगती है। धुंध लहरों की तरह सरकती है, नीचे फैले चाय के बागान चमक उठते हैं। पश्चिमी घाट की पर्वत श्रृंखलाएं, ढलानों पर बने चाय के बगानों की हरियाली, आसपास के बादलों का निर्माण सचमुच मनमोहक था और एक सपने के सच होने जैसा लग रहा था। बादलों के ऊपर से सूर्योदय देखना सच में एक ऐसा अनुभव रहा जो शब्दों में बयान कर पाना नामुमकिन है। हम यहाँ करीब दो घंटे रुके। यह एक ऐसी जगह थी जो हमारी कल्पना से परे थी और हम हमेशा ही अपनी यात्राओं के दौरान ऐसी जगहों को खोजने की कोशिश करते हैं क्योंकि ये छिपे हुए रत्न हैं और धीरे-धीरे पर्यटन की दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। कोलुकुमलई में सूर्योदय के अनुभव ने हमारी मुन्नार की यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया।

होटल पहुँचकर नाश्ता कर 11.30 बजे हम मुन्नार के पास का एक मुख्य आकर्षण इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान देखने पहुँचे। यह उद्यान विलुप्तप्राय जंतु नीलगिरि थार के लिए प्रसिद्ध है। नीलगिरि थार देखने में बिल्कुल बकरी जैसी लगती है। हमने यहाँ इस विलुप्तप्राय जंतु के साथ फोटो भी खींची। इस 97 वर्ग कि.मी. के क्षेत्रफल में फैला यह उद्यान दुर्लभ तितलियों, जानवरों और पक्षियों की अनेक प्रजातियों का भी घर है। इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान में प्रवेश के लिए जब हम टिकट खरीदते हैं तो उसके साथ वन विभाग द्वारा चलायी जाने वाली बस द्वारा हमें अंदर मुख्य स्थल तक ले जाया जाता है। यह बस हमें 10 कि.मी. तक ले जाकर छोड़ देती है। इसके बाद 1 से 2 कि.मी. चल कर जाते समय घास के मैदान और 3 से 5 कि.मी. चलने पर हमें नीलगिरि थार दिखाई पड़ते हैं। प्रति व्यक्ति शुल्क 200 रुपए है। सप्ताहांत और त्योहारों में ऑनलाइन टिकट जरूर खरीदें क्योंकि भीड़ बहुत अधिक होती है। ट्रैकिंग के लिए सर्वोत्तम जगह इस उद्यान में कोहरे की चादर से ढके चाय के बागान देखने में बहुत सुंदर दिखते हैं। नीलकुरिंजी के खिलने के कारण जब ये पहाड़ी ढलान नीले रंग के हो जाते हैं तो यह उद्यान गर्म स्थल बन जाता है। पश्चिमी घाट के इस इलाके के इस पौधे में बारह वर्षों में एक बार फूल खिलते हैं।

शाम को हम केरल के पारंपरिक मार्शल आर्ट शो कलीरीपयट्टू देखने गए। कलीरी का अर्थ होता है प्रशिक्षण स्थल और पयट्टू का अर्थ होता है अभ्यास या लड़ाई। यह सिर्फ लड़ाई की कला नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और शारीरिक अनुशासन



का अद्भुत मिश्रण है। यह शो सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि केरल की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह कला शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए लाभकारी माना जाता है। यह कला मुख्यत: शरीर की ताकत, लचीलापन, संतुलन और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने के लिए विकसित हुई। इसे केरल के युद्ध प्रशिक्षण और मंदिर की परंपरा से जोड़ा जाता है। यह लगभग 3000 साल पुरानी परंपरा है। 45 मिनट के इस कार्यक्रम में दर्शकों को युद्ध कला की ऊर्जा और तालमेल दिखाया जाता है। इसमें तेज गति के वार एवं बचाव, हथियारों के साथ प्रदर्शन संगीत और ढोल की थाप के साथ युद्ध कला का प्रदर्शन दिया जाता है। आग के साथ कलीरीपयट्टू सबसे रोमांचक और लोकप्रिय हिस्सा होता है, जो 15 मिनट का होता है। इस वक्त पूरी तरह अंधेरा कर दिया जाता है। प्रशिक्षक हवा में हथियार घूमाकर आग की लहर और चमक दिखाते हैं। यहाँ का प्रवेश शुल्क प्रति व्यक्ति 300 रुपए है।

अगले दिन सुबह साढ़े आठ बजे हम नाश्ता कर मुन्नार से एर्नाकुलम स्टेशन के लिए निकल पड़े, दोपहर के दो बजे



हमारी ट्रेन एर्नाकुलम से मडगांव के लिए थी। इस प्रकार हम 27 दिसंबर की सुबह 4 बजे मडगांव पहुंचे। मैं अपनी मुन्नार यात्रा को कभी नहीं भूल सकता। सूर्योदय, सूर्यास्त, चाय के बागान, कोलुकुमलई की ऑफरोड यात्रा, जलप्रपात, बादलों का रंग बदलना, नौका विहार, नीलगिरि थार इन सब को हम आज भी याद करते हैं।



श्री सौगत कुमार पालित
मानव संसाधन एवं प्रशासन

गुरु



हर इन्सान के जीवन में गुरु का बड़ा ही महत्व होता है। जिसके जीवन में गुरु नहीं, उसका जीवन अधूरा है। हर इन्सान को सही पथ पर चलने के लिए गुरु ही सिखाता है। हमारे सामने किसी न किसी का आदर्श होना बेहद जरुरी है। काँटो से भरी हुई हमारी जिंदगी के पथ पर सिर्फ गुरु ही फूल बिखेर देते हैं। आज तक जो भी महान व्यक्ति हुए हैं उनके आदर्श आज सब लोगों के सामने हैं।

जिंदगी के कठिन समय में गुरु ही सच्चे मित्र के भाँति हमारा मार्गदर्शन करते हैं। कबीर दास ने सत्य ही कहा है गुरु गोविंद दोह खड़े, काके लागू पाय कि गुरु सोए हुए को जगाते हैं, जगे हुए को चलना सिखाते हैं, चलने वाले को दौड़ना सिखाते हैं। गुरु तो भगवान के समान ही पूज्य और आदरणीय होते हैं। जिस इन्सान को ज्ञान की गंगा पानी है उसे सिर्फ सच्चे गुरु की ही जरूरत है। वही उसकी मदद कर सकता है। बचपन में माता-पिता हमारे गुरु होते हैं और जब पाठशाला जाने लगते हैं, तो अध्यापक हमारे गुरु बन जाते हैं। फिर जीवन के अच्छे बुरे अनुभवों से सीख मिलती हैं।

दुनिया में किसी का साथ न मिले, तो गम मत करना, लेकिन सच्चे गुरु को पाया, मानो उसने सब कुछ पाया।



श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन

अनजान शहर

जमशेदपुर की छोटी सी दुनिया से,
सपनों का एक बैग उठाकर चली थी मैं।
दिल में डर भी था, पर हिम्मत भी थी ,
एक नई मंजिल की चाह लेकर चली थी मैं।
पीछे छूट गए अपने लोग,
अपनी गलियाँ, अपना घर।
आगे था एक नया सफर ,
और सामने एक अनजान शहर।
जब पहली बार गोवा की हवा ने छुआ ,
मन में अजीब सा एहसास हुआ।
जैसे समंदर की लहरों ने कुछ कहा मुझसे ,
"डर मत, तेरा भी यहाँ खास मुकाम होगा।"
न कोई पहचान, न कोई सहारा,
पर खुद से एक वादा था।
बस खुद पर ही भरोसा था,
और ये मजबूत इरादा था।

ऐसा नहीं कि मुश्किलों से,
मेरा वास्ता नहीं होगा,
पर हार मानना कभी,
मेरा रास्ता नहीं होगा।
कभी तन्हाई ने घेरा मुझे,
कभी घर की याद भी आई।
पर सपनों ने आवाज़ देकर फिर कहा,
"रुकना नहीं, यही तो असली लड़ाई है।
अनजान शहर अब धीरे-धीरे,
मेरी कहानी का हिस्सा बन रहा है।
जो लड़की डरते- डरते आई थी यहाँ,
वही अब खुद को मजबूत बना रही है।
अनजान शहर से शुरू हुआ ये सफर,
अब मेरी पहचान बनेगा।
मैं गिरकर भी उठती रहूँगी,
क्योंकि मेरा सपना ही मेरा मुकाम बनेगा।



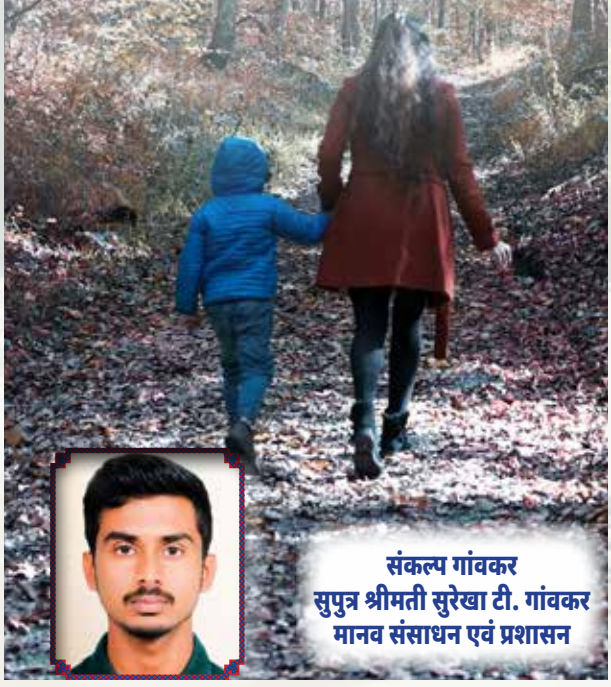
सलोनी कुमारी
प्रशिक्षु

माँ

माँ संवेदना है, भावना है,
जीवन का एक एहसास है माँ।
अनुष्ठान है, साधना है,
जीवन का हवन है माँ।
माँ त्याग की मूर्ति है, तपस्या है,
सेवा है माँ।
पूजा की थाली है, मंत्रो का जाप है,
परमात्मा की स्वयं एक साक्ष है माँ।

माँ आँखों का सिसकता हुआ किनारा है,
पूजा की दुर्गा है, ममता की भी धारा है माँ।
माँ पहली बरसात की धारा जैसी कोमल सी मुस्कान है,
फूँक से ठंडा किया हुआ हौसला है माँ।

माँ साधना है, संस्कारों का जतन है,
हमारे जीवन का एक अनमोल रतन है माँ।



संकल्प गांवकर
सुपुत्र श्रीमती सुरेखा टी. गांवकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन

मेरा पेड़, मेरी शक्ति, मेरा परिवार

शरीर को उर्जा मिलती है पेड़ से,
न तोड़ो, न उखाड़ो उसे जड़ से।
बिछड़ जायेंगे अगर पेड़ जमीन से,
तो क्या हम बच पायेंगे सूर्य की गरम किरणों से।।

सबका रहेगा अगर पेड़ों को बचाओ का नारा,
तो फल-फूल हम खा सकेंगे फिर दोबारा।
पेड़ लगाना उसे बढ़ाना है सबका कर्तव्य
जियो और जीने दो का नारा पेड़ों के लिए भी सही।।

बात सिर्फ ऑक्सीजन तक सीमित नहीं,
छांव की भी आती है।
याद रखिए आदमी को जीने के लिए
हमेशा पेड़ों की आवश्यकता होती है।
सारे जन का होना चाहिए बस एक ही नारा।
प्यारा देश, प्यारा घर और प्यारा पेड़ हमारा।।





मुकेश महादेव जुनघरे
भंडार

अभी सूरज डूबा नहीं

थकान को अपनी ढाल न बना,
रुकने को तू खयाल न बना।
माना रास्ते थोड़े धुंधले है,
पर इन्हें अपनी हार का मिसाल न बना।।

गुजरी है जो वो बीत गई,
पर ज़िद है तो जीत भी होगी।
अंधेरा गहरा है तो होने दे,
उजाले की नई रीत भी होगी।।

पंखों को खोल, अभी उड़ान बाकी है,
ज़मीन खत्म हुई, तो क्या? आसमान बाकी है।
माना मुश्किलों ने तुझे घेरा है,
पर तुझमें अभी थोड़ा तूफान बाकी है।।

गिर कर उठना ही तेरी पहचान है,
लड़ कर न रुकना ही तेरा ईमान है।
किस्मत की लकीरों को मत देख तू,
मेहनत ही तेरे सपनों की जान है।।

उठ, चल और दिखा दे दुनिया को,
बुझी हुई राख में चिंगारी अभी बाकी है।
खेल अभी खत्म नहीं हुआ दोस्त,
क्योंकि तेरी जीत की बारी अभी बाकी है।।





किरण कुमार
मानव संसाधन एवं प्रशासन

जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है

जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है
ये हमें देर से समझ में आता है।
जब कुछ छूट जाता है हाथों से,
दिल थोड़ा-सा घबराता है।।

पर समय धीरे-धीरे सिखाता है,
हर दर्द में भी कुछ छुपा होता है।
जो रास्ता बंद हो जाता है,
वहीं से नया दरवाज़ा खुलता है।

हर दिन नया मौका लेकर आता है,
कुछ सीखने और आगे बढ़ने का,
भले ही सब तुरंत ठीक न हो,
पर धीरे-धीरे सब बेहतर हो जाता है।

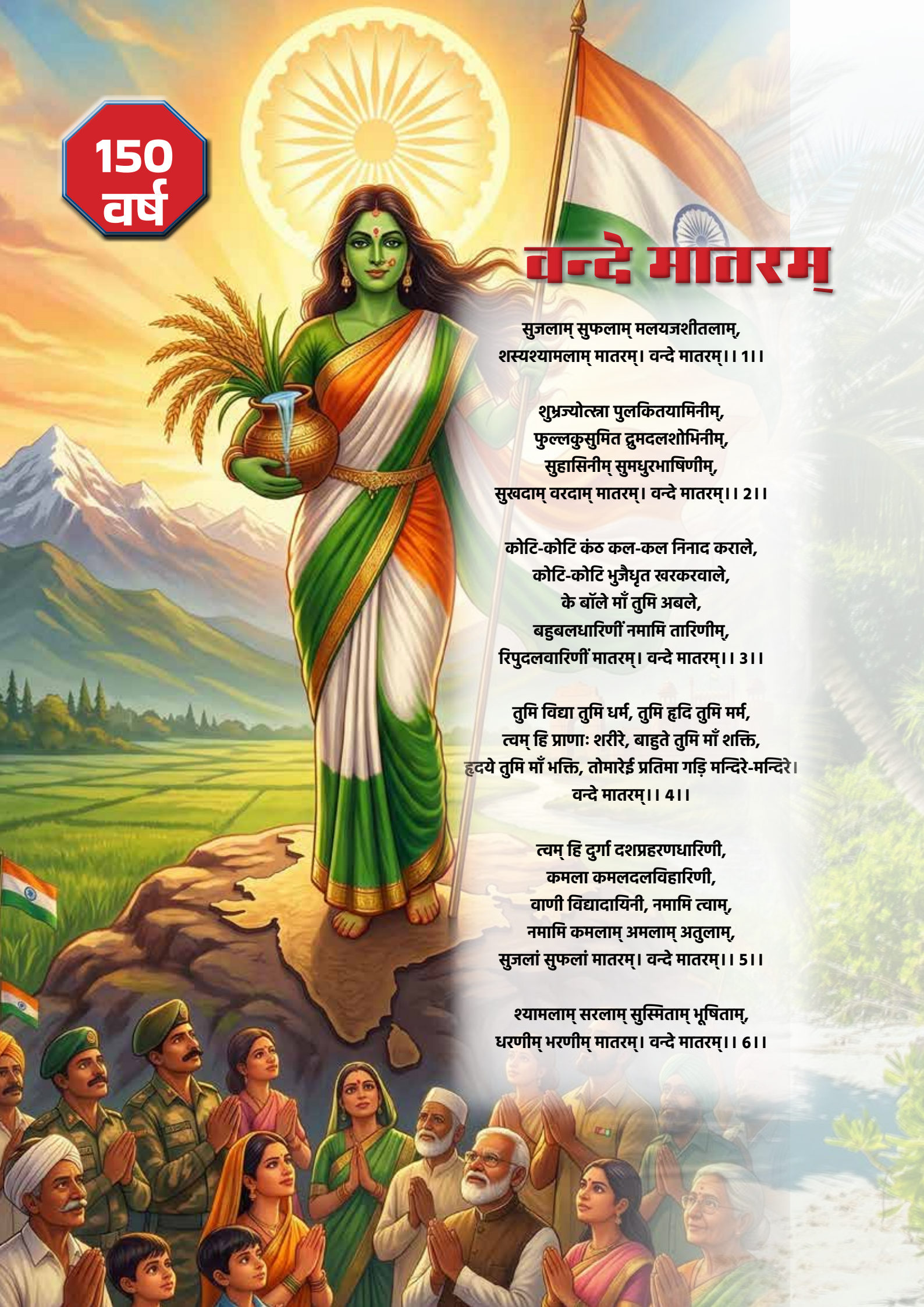
शायद जो नहीं मिला, वो सही नहीं था,
या जो चला गया, वो टिकने के लिए नहीं था।
उस पल में समझ नहीं आता,
पर बाद में सब थोड़ा साफ दिखता है।

इसलिए हर हाल में मुस्कुराओ,
हर पल को दिल से अपनाओ।
क्योंकि ऊपर वाला जो भी करता है,
हमारे भले के लिए ही करता है।

तो अब ये नहीं कहती कि सब अच्छा ही है,
पर इतना मान लेती हूँ
शायद जो भी हुआ,
किसी न किसी तरह मेरे लिए जरूरी था।



साक्षी केरकर
प्रशिक्षु



वन्दे मातरम्

सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 1।।

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 2।।

कोटि-कोटि कंठ कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैधृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम्,
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम्।। 3।।

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि हृदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे, बाहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति, तोमारेई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।। 4।।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम्।। 5।।

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 6।।

हर काम देश के नाम

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

उत्कृष्टता के प्रति कृतसंकल्प

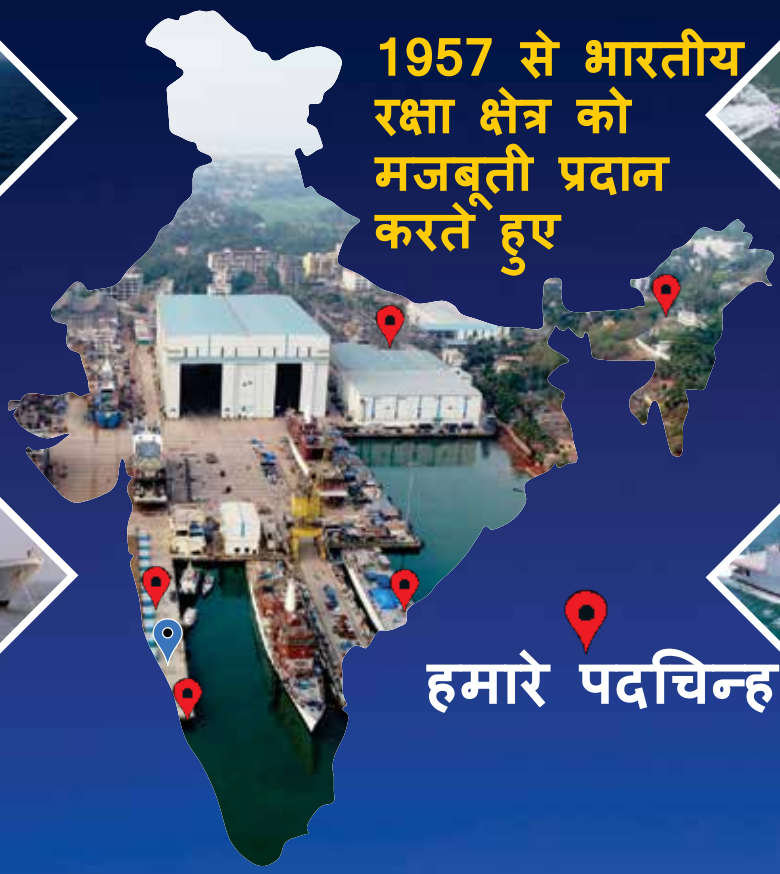






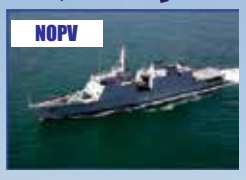


1957 से भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूती प्रदान करते हुए



हमारे पदचिन्ह

उत्पाद विवरण



















प्रमाणन

ISO 14001:2015 Certified by IRQS — MSMT SYS. RvA C 071

ISO 9001:2015 Certified by IRQS — MSMT SYS. RvA C 071

ISO 9001:2015 Certified by IRQS — NABCB QM 006

ISO 45001:2018 Certified by IRQS — NABCB OHSMS 007

ISO 14001:2015 Certified by IRQS — NABCB EM 005

CRISIL CREDIT RATING
Long - Term "AAA"
Short - Term "A1+"

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड
(रक्षा मंत्रालय का उत्कृष्ट निष्पादित शिपयार्ड)

संपर्क करें :- fpg_office@goashipyard.com, contactus@goashipyard.com

www.goashipyard.in goashipyardltd GoaShipyardLtd